15 अक्टूबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

डुमरांव-ब्रह्मपुर में नामांकन की रौनक बढ़ी, 22 दावेदारों ने कटाया एनआर 2

जैसलमेर में बस में लगी आग, 10 लोगों की मौत

एजेंसी। जैसलमेर

राजस्थान के जैसलमेर में दिल दहलाने वाला हादसा हुआ है। यहां जैसलमेर से जोधपुर जा रही बस में आज दोपहर अचानक आग लग गई। हादसा जिले के थईयात गांव के पास हुआ है। हादसा इतना भीषण था कि इसमें अभी तक 10 लोगों के मौत होने की जानकारी मिली है। बताया जा रहा है कि बस में कुल 56 लोग सवार थे। लगभग 15 यात्रियों के झुलसने की सूचना मिली है। कई लोग घायल हैं। यह भी जाानकारी मिल रही है कि बस में कई यात्रियों की बॉडी पूरी तरह झुलस गई है। कुछ शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो गया है। कुछ सवारियां इतना झुलस गई है कि वो कंकाल में तब्दील हो गई है। मृत की संख्या का अब तक नहीं चल पाया है। राजस्थान के जैसलमेर में बस में एक साथ दस लोगों के मौत हो जाने की घटना का खुलासा हुआ है। यहां अचानक बस में आग लगने से कई लोगों की मौत हो गई। घटना के संबंध में जानकारी मिलने के बाद यहां मौके पर पुलिस के साथ घटना स्थल पर सेना ने भी मोर्चा संभाला है।

घायलों को किया गया जोधपुर रेफर

जानकारी मिली है कि यह घटना आज दोपहर को वार म्यूजियम के पास हुई। बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट के कारण बस आगजनी का शिकार हुई। बस में आग लगने से कई सवारी यहां चपेट में आ गए हैं। इस दौरान चारों तरफ अफरा- तफरी का माहौल बन गया। वहीं सूचना मिलते ही मौके पर एंबुलेंस भी पहुंची गई है। 3 एम्बुलेंस में घायलों को जवाहर चिकित्सालय लाया गया है , जिनका डॉक्टरों की ओर से इलाज किया जा रहा है। घटनास्थल पर पुलिस के साथ ही अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसराम, ैच कैलाशदान जुगतावत सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद हैं। मौके पर पुलिस के साथ सेना के जवान भी मौके पर पहुंचे हैं। जवाहिर चिकित्सालय में कुल 16 घायलों का लाया गया था वहां से सभी 16 को जोधपुर रेफर कर दिया है।

सीएम भजनलाल ने जताया दुख

जैसलमेर में हुए अग्निकांड को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा ने भी एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है कि जैसलमेर में बस में लगी आग की घटना अत्यंत हृदयविदारक है। इस दुखद हादसे से प्रभावित नागरिकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार एवं प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्रीराम दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें। राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ है और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मिली जानकारी के अनुसार सीएम भजनलाल की भी जल्द ही जैसलमेर पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

थाने के मालखाने में रखे 55 लाख नकद-10 लाख के गहने पुलिसवाला ही जुए में हारा

एजेंसी। बालाघाट

बालाघाट जिला मुख्यालय के कोतवाली थाने से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। थाने के मालखाने में रखे 55 लाख रुपए नकद और करीब 10 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। जांच में पता चला है कि मालखाना इंचार्ज प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे ने यह रकम जुए में उड़ा दी। खुलासा तब हुआ जब फरियादी कोर्ट की प्रक्रिया पूरी करने के बाद अपने रुपए और गहने लेने थाने पहुंचा। टीआई ने जब प्रधान आरक्षक को पैसे लाने को कहा, तो वह घबराकर मालखाने का गेट अंदर से बंद कर लिया और पंखे से फांसी लगाने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने समय रहते दरवाजा तोड़कर उसकी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, कोतवाली पुलिस ने कुछ माह पहले ठगी के एक मामले में आरोपियों से 55 लाख रुपए नकद और गहने जब्त किए थे। ये सभी मालखाने में जमा रखे गए थे। फरियादी महिला ने कोर्ट से आदेश लेकर जब थाने में अपने रुपए लेने की प्रक्रिया शुरू की, तभी यह बड़ा खुलासा हुआ। पुलिस जांच में सामने आया है कि प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे लंबे समय से जुआ खेलने का आदी था। वह अक्सर महाराष्ट्र के गोंदिया और मध्यप्रदेश के सिवनी जिले तक जाकर जुआ खेलता था। सूत्रों के मुताबिक, वह पहले भी मालखाने से रकम निकालकर जुए में हार चुका है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के बाद करीब 20 लाख रुपए बरामद किए जा चुके हैं। बाकी रकम और गहनों के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

जेडीयू ने अपने उम्मीदवारों को सिंबल किया जारी

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की 71 उम्मीदवारों की सूची

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा की पहली लिस्ट में 71 उम्मीदवारों के नाम शामिल है। इस सूची में कुल 9 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। बीजेपी की पहली उम्मीदवारों की सूची में उपमुख्यमंत्री सम्राट चैधरी तारापुर से, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा लखीसराय से, बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन बांकीपुर से और रेणु देवी बेतिया से चुनाव लड़ेंगी। सम्राट चैधरी के अलावा लिस्ट में रामकृपाल यादव, संजीव चैरसिया, श्रेयसी सिंह और मंगल पांडे जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। बता दें कि, एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए पहले सीट बंटवारे की घोषणा कर चुका है। एनडीए में नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड, भारतीय जनता पार्टी, चिराग की लोक जनशक्ति पार्टी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा शामिल हैं। भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड यानी जदयू दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं, चिराग पासवान की पार्टी को 29 सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह सीटें दी गई हैं। जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को भी छह सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिला है।

जातीय समिकरण को रखा गया संतुलन

बीजेपी ने जातीय संतुलन भी ध्यान में रखा है। सूची में 11 भूमिहार, 7 ब्राह्मण, 15 राजपूत, साथ ही कायस्थ और मारवाड़ी समुदाय के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। नए चेहरे कुम्हरार, पटना साहिब, राजनगर और औरंगाबाद जैसी सीटों पर मौका पा रहे हैं। महिला उम्मीदवारों में पूर्व उप मुख्यमंत्री रेनू देवी (बेतिया), गायत्री देवी (परिहार), देवंती देवी (नरपतगंज), स्वीटी सिंह (किशनगंज) और निशा सिंह (प्राणपुर) शामिल हैं। जमुई से श्रेयसी सिंह को फिर से मौका मिला है। कई बड़े नेताओं की टिकट कट गई। विधानसभा अध्यक्ष और पटना साहिब के विधायक नंदकिशोर यादव और कुम्हरार से अरुण कुमार सिन्हा का नाम लिस्ट में नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव (दानापुर) और मिथिलेश तिवारी (बैकुंठपुर) को मौका मिला है। डिप्टी सीएम सम्राट चैधरी तारापुर से और विजय सिन्हा लखीसराय से चुनाव मैदान में उतरेंगे। पहली सूची में 71 नाम सामने आए हैं, जबकि बाकी 30 उम्मीदवारों की घोषणा बाद में की जाएगी। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे। 6 नवंबर और 11 नवंबर। मतगणना 14 नवंबर को होगी। वही नंद किशोर यादव, अरुण सिन्हा सहित कईयों का टिकट काट दिया गया है। उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद लोक गायिका मैथिली ठाकुर मंगलवार की शाम में ही भाजपा में शामिल हो गयी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलायी। अब मैथिली ठाकुर अलीनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। अभी दूसरी लिस्ट 30 उम्मीदवारों की आने वाली है। उम्मीद जतायी जा रही है कि दूसरी लिस्ट में मैथिली ठाकुर का नाम हो सकती है।

मां ने दो बेटों की ली जान फिर खुद लगायी चौथी मंजिल से छलांग

एजेंसी। हैदराबाद

हैदराबाद में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक 27 साल की एक महिला चाल्लारी साईलक्ष्मी ने अपने दो साल के जुड़वां बच्चों, चेतन कार्तिकेय और लास्यता वल्ली को तकिए से दम घोंटकर मार डाला और फिर अपने चैथे माले के अपार्टमेंट से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह दुखद घटना मंगलवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे की बताई जा रही है, जब ये घटना हुई तब सैलक्ष्मी का पति अनिल कुमार काम पर था। मामले में पुलिस का कहना है कि साईलक्ष्मी और अनिल के बीच उनके बेटे चेतन की बोलने की समस्या को लेकर अक्सर झगड़े होते थे। चेतन को बोलने में दिक्कत थी और उसका इलाज चल रहा था। इस बात पर दोनों के बीच बार-बार तनाव बढ़ता था। पुलिस को संदेह है कि इसी तनाव ने साईलक्ष्मी को इतना बड़ा और दर्दनाक कदम उठाने के लिए मजबूर किया। इमारत के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में साईलक्ष्मी के गिरने की तस्वीर कैद हुई। हैरान पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस उनके घर पहुंची, तो वहां बच्चों के शव मिले। तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। बता दें कि साईलक्ष्मी के माता-पिता ने अनिल कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। इसके बाद पुलिस ने अनिल को हिरासत में ले लिया है। पुलिस इंस्पेक्टर टी नरसिम्हा राजू ने बताया कि साईलक्ष्मी और अनिल के बीच चेतन की बीमारी को लेकर लगातार बहस होती थी। अनिल हमेशा अपनी पत्नी को ताने मारता था कि तुमने इस दिक्कत वाले बच्चों को जन्म दिया।

सुशांत सिंह राजपूत के जीजा बने हरियाणा के कार्यवाहक डीजीपी

एजेंसी। चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस में एक बड़े विवाद ने जन्म ले लिया है। आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन सिंह की कथित आत्महत्या के बाद राज्य के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को रातोंरात छुट्टी पर भेज दिया गया है। उनकी जगह एडीजीपी रैंक के सीनियर आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। ओपी सिंह पहले हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन और एफएसएल मधुबन के निदेशक के रूप में कार्यरत थे। ओपी सिंह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के जीजा हैं। उन्हें अब अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस मामले में पुलिस ने डीजीपी समेत उन सभी वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है जिनके नाम वाई. पूरन सिंह के सुसाइड नोट में लिखे गए थे। वाई. पूरन सिंह 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और रोहतक के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में इंस्पेक्टर जनरल के पद पर तैनात थे। 7 अक्टूबर को उन्होंने कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। उनके आठ पन्नों के सुसाइड नोट में 13 वरिष्ठ अधिकारियों के नाम शामिल थे, जिन पर उन्होंने उत्पीड़न और करियर को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए थे।

7 प्रतिशत को समय पर सीपीआर नहीं मिल पाता

हार्टअटैक से हर साल सात लाख लोगों की मौत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में हर साल करीब सात लाख लोग अचानक हृदयगति रुकने से अपनी जान गंवाते हैं। यह महज एक चिकित्सा संकट नहीं, बल्कि सामाजिक विफलता भी है क्योंकि इनमें से ज्यादातर लोगों की जान एक साधारण तकनीक कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) से बचाई जा सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हृदय रुकने के पहले पांच मिनट में सीपीआर दिया जाए तो व्यक्ति की जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। फिर भी भारत में केवल 7 प्रतिशत मरीजों को समय पर सीपीआर मिल पाता है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 98 प्रतिशत भारतीयों को सीपीआर देने का तरीका नहीं आता। नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के वरिष्ठ डॉक्टर अंबुज राय बताते हैं कि हृदयगति रुकने के बाद हर मिनट देरी से मरीज के जीवित बचने की संभावना 10 प्रतिशत तक घट जाती है। यानी पांच मिनट की देरी का मतलब लगभग कोई संभावना नहीं। हैंड्स-ओनली सीपीआर में केवल दोनों हाथों से छाती के बीचोंबीच तेज और समान दबाव देना होता है, ताकि मस्तिष्क और हृदय तक रक्त का प्रवाह बना रहे। यह कदम तब तक जारी रखना चाहिए जब तक चिकित्सकीय मदद न पहुंच जाए। दरअसल, देश में अचानक हृदय रुकने की घटनाएं अब शहरों ही नहीं बल्कि गांवों में भी तेजी से बढ़ रही हैं। खराब खानपान, तनाव, प्रदूषण और निष्क्रिय जीवनशैली ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। देश में हर साल 70 प्रतिशत कार्डियक अरेस्ट अस्पतालों के बाहर होते हैं, जहां एंबुलेंस आने में औसतन 10 से 15 मिनट लगते हैं। यह वह समय है जब मरीज को सीपीआर मिले तो उसकी जान बच सकती है।

बढ़ती उम्र, बढ़ते खतरे

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के वरिष्ठ फेलो केएस उपलभद गोपाल का कहना है कि हृदय रोग पहले से ही भारत में मौत का सबसे बड़ा कारण है, पर आने वाले वर्षों में यह संकट और गहराएगा। 2030 तक देश की 60 वर्ष से अधिक उम्र की आबादी 19.3 करोड़ के पार पहुंचने वाली है। इससे सार्वजनिक स्थानों पर अचानक बेहोश होना, सांस रुकना या हार्ट अटैक के मामले भी बढ़ेंगे। इन हालात में सीपीआर या ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) जैसे उपकरण जीवनरक्षक साबित हो सकते हैं। लेकिन भारत में यह व्यवस्था बेहद सीमित है।

छठ घाटों का ईओ ने किया निरीक्षण दिया आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

जैसे-जैसे छठ पूजा का दिन नजदीक आते जा रहा है, नगर परिषद घाटों को दुरूस्त करने में जुटा हुआ है। डुमरांव शहर और इसके विस्तारित क्षेत्र में कुल 18 छठ घाटों को चयनित किया गया है। सभी घाटों की सफाई, ब्रतियों के आने-जाने की सुविधा, स्नान करने की सुविधा से लकर लाइटिंग की व्यवस्था करने के ईओ ने आदेश दिया था। आदेश देने के बाद भी कर्मी इसमें लापरवाही बरत रहे थे। इसकी जैसे ही खबर ईओ राहुलधर दूबे को मिली नप बड़ाबाबू दुर्गेश सिंह को लेकर विस्तारित क्षेत्र घाटों का निरीक्षण करने निकल पड़े। जो चिन्हित 9 घाट हैं, सभी का उन्होंने मुआयना किया। कई घाटों पर सफाई एवं आने-जाने वाले रास्ते में गड्ढे पाए गए। ऐसी परिस्थिति को देख ईओ काफी नाराज हुए और उन्होंने तत्काल घाटों के सफाई का आदेश दिया। उन्होंने अपने सामने सफाई मजदूरों को सभी कमियों को बाताते हुए दूर करवाया। घाटों की सफाई कराने के बाद रास्ते की सफाई करने का आदेश दिया। मालूम हो कि डुमरांव शहर के सभी चयनित 9 घाटों का ईओ द्वारा पहले ही निरीक्षण किया जा चुका था और कमी को दूर करने का आदेश भी दे दिये गए थे। ईओ ने बताया की ब्रतियों को कोई परेशानी नहीं हो घाट को सुरक्षित कर दिया जाएगा। ईओ के निरीक्षण का जैसे ही पूजा कमिटी के लोगों को मिला घाट पर पहुंच, उन्हें घाटों की कमी को बताने लगे। जो भी कमी कमिटी के द्वारा बतायी जाती सभी को ईओ बड़ाबाबू से नोट करने के लिये कहते, फिर उसे दूर करने की हिदायत भी देते। कमिटी वालों को ईओ ने बताया की सफाई का सिलसिला छठ पूजा तक जारी रहेगा। मालूम हो कि नप के विस्तारित क्षेत्र में कुछ घाट ऐसे हैं, जहां पगडंडियों के सहारे ही पहुंचा जा सकता है। जैसे झरना घाट, पुराना भोजपुर तलाब घाट सहित अन्य घाटों में कावर लेकर पहुंचने में परेशानी होती है। इतना ही नहीं जमीन समतल नहीं रहने के कारण ब्रतियों, महिलाओं और बच्चों को गिरने का डर बना रहता है, वैसे घाटों को चिन्हित किया गया। सफाई कर्मियों को आदेशित किया गया की कमिटी के लोगों के साथ मिलकर काम करना है। सफाई मजदूरों के मिल जाने से कमिटी के लोगों को काफी राहत मिली है और सभी का हौसला बढ़ा है। ईओ के साथ में गए बिजली मिस्त्री को बताया गया की घाटों तक बिजली कैसे पहुंचेगी सारी जिम्मेवारी दी गई। कमिटी के लोगों को बताया गया कि घाटों पर बिजली पहुंचाने के लिये नप मिस्त्री का सहयोग करेंगे। कमिटी के लोगों के सहमति से काम किये जाने से उनके बीच काफी खुशी है।

राजनीतिक गलियारों में चढ़ा चुनावी पारा, प्रत्याशियों में दिखा जबरदस्त उत्साह

डुमरांव-ब्रह्मपुर में नामांकन की रौनक बढ़ी, 22 दावेदारों ने कटाया एनआर

- एनआर कटाने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे राजनीतिक हलचल भी तेज होती जा रही है। डुमरांव और ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार की शाम तक नामांकन प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली। दोनों विधानसभा क्षेत्रों से अब तक कुल 22 अभ्यर्थियों ने एनआर रसीद कटाकर नामांकन शुल्क जमा किया है, जिनमें डुमरांव से 13 और ब्रह्मपुर से 9 उम्मीदवार शामिल हैं। एसडीएम राकेश कुमार ने बताया कि दोनों ही क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से चल रही है। प्रशासन ने उम्मीदवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय और बाहरी उम्मीदवारों का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिला। नामांकन शुल्क जमा करने वालों में अरियांव के रविशंकर प्रसाद, संपतचक पटना की अंजलि कुमारी, भोजपुर की मनुडिहरी गांव के निवर्तमान विधायक अजीत कुमार सिंह, डुमरांव के शिवांग विजय सिंह (राजघराने से जुड़े), अखौरीपुर गोला चौसा की प्रमिला देवी, बैना गांव के भीम कमकर, नया भोजपुर के मंतोष गोंड, डुमरांव के प्रदीप शरण, रवि शंकर राय, रवि प्रकाश सिन्हा, दिनेश सिंह, ददन यादव और करतार सिंह यादव शामिल हैं। वहीं, ब्रह्मपुर विधानसभा में भी उम्मीदवारों की लंबी कतार देखने को मिली। नामांकन शुल्क जमा करने वालों में अर्जुनपुर के अनिल राय उर्फ भैया जी, भोला डेरा चक्की के नीतीश कुमार, बक्सर के प्रदीप कुमार राय, चक्की लहना डेरा के शंभूनाथ यादव, नगपुरा के शिवशंकर दास, बड़का सिंहनपुरा के मनीष भूषण ओझा, धर्मपुरा के विक्रमा गोंड, सपही के महावीर यादव और डेहरी के हुलास पांडे शामिल हैं। इन नामों के सामने आने के साथ ही दोनों क्षेत्रों में राजनीतिक समीकरण बनने-बिगड़ने लगे हैं। कई दिग्गजों के समर्थक अपने-अपने प्रत्याशियों के पक्ष में जनसंपर्क अभियान शुरू कर चुके हैं। वहीं प्रशासन ने संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। नामांकन शुल्क जमा करने के बाद प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में चुनावी उत्साह और आत्मविश्वास साफ झलकने लगा है। चुनावी रणभेरी बज चुकी है, और आने वाले दिनों में नामांकन पर्चा दाखिल करने वालों की संख्या में और बढ़ोतरी तय मानी जा रही है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अंतिम दिन तक कौन-कौन मैदान में उतरता है और किसके पक्ष में जनता का रुझान झुकता है। क्योंकि डुमरांव और ब्रह्मपुर दोनों ही सीटें इस बार चुनावी हॉटस्पॉट बनने की ओर हैं।

दिव्यांगजनों ने ट्राईसाइकिल रैली निकाल, दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

बक्सर । बक्सर जिले में निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को एक अनोखी पहल देखने को मिली। समाहरणालय परिसर से दिव्यांगजनों की ट्राईसाइकिल रैली निकाली गई, जिसमें दिव्यांग मतदाताओं ने सड़कों पर उतरकर आम लोगों से अपने मताधिकार के प्रयोग की अपील की। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता की भागीदारी आवश्यक है, चाहे वह सामान्य नागरिक हो या दिव्यांगजन। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के अभियान समाज में प्रेरणा का कार्य करते हैं और यह दशार्ते हैं कि सभी वर्गों की सहभागिता से ही लोकतंत्र सशक्त बनता है। रैली के दौरान दिव्यांगजन ट्राईसाइकिल पर सवार होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरे और लोगों से मतदान अवश्य करने की अपील की। उन्होंने पोस्टर, बैनर और नारों के माध्यम से संदेश दिया कि वोट देना हमारा अधिकार, मतदाताओं का यही है संस्कार और हर वोट जरूरी है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती हमसे है। इस अभियान का उद्देश्य समाज के हर वर्ग, विशेषकर दिव्यांगजनों को आगामी विधानसभा चुनाव के महत्व के प्रति जागरूक करना था। रैली में भाग लेने वाले दिव्यांगजन उत्साह से भरे हुए थे। उन्होंने कहा कि वे समाज को यह दिखाना चाहते हैं कि शारीरिक सीमाएं कभी बाधा नहीं बन सकतीं, अगर मन में देश और लोकतंत्र के प्रति समर्पण हो।जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले का कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

केसठ में पागल कुत्ते ने मचाया आतंक, 8 लोगों को काट किया जख्मी

केटी न्यूज/केसठ

मंगलवार की सुबह केसठ गांव में एक पागल कुत्ते ने जमकर आतंक मचा दिया। सुबह करीब 5 बजे के आसपास कुत्ते ने गांव के विभिन्न इलाकों में अचानक लोगों पर हमला बोल दिया। इस घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। घायलों में बस पड़ाव स्थित डेरा निवासी 55 वर्षीय दाहारी कमकर, 25 वर्षीय राजा कुमार समेत अन्य लोग शामिल हैं। सभी घायलों को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ में भर्ती कराया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार एवं एंटी रैबीज टीका लगाया गया। कुत्ते के हमले में एक पशु भी घायल हुआ है। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। ग्रामीणों ने लकड़ी, लाठी और जाल लेकर कुत्ते की तलाश शुरू कर दी, ताकि उसे पकड़ा जा सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव में घुम रहे पागल कुत्तों को पकड़ने की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वहीं, इस घटना के बाद लोग अपने बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे है। लोगों में पागल कुत्ते का खौफ गहरा गया है।

बुधवार को निर्दलीय प्रत्याशी ओमजी यादव करेंगे नामांकन

केटी न्यूज/बक्सर

विधानसभा चुनाव को लेकर मंगलवार को निर्दलीय प्रत्याशी ओमजी यादव का रोड शो किला मैदान से लेकर मुख्य मार्गों तक आकर्षण का केंद्र बना रहा। समर्थकों की भारी भीड़ के साथ पहुंचे ओमजी यादव ने नामांकन की तैयारी तो की, लेकिन कुछ कागजी प्रक्रिया अधूरी रहने के कारण वे मंगलवार को नामांकन दाखिल नहीं कर सके। अब वे बुधवार को औपचारिक रूप से नामांकन करेंगे।

सुबह से ही किला मैदान में समर्थकों का जनसैलाब उमड़ा रहा। रोड शो के दौरान जगह-जगह लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान ओमजी यादव जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे।

मीडिया से बातचीत में ओमजी यादव ने कहा कि नामांकन महज एक औपचारिकता है, असली ताकत जनता का विश्वास और समर्थन है। कुछ तकनीकी कारणों से आज प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी, कल नामांकन दाखिल किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि नामांकन के बाद वे अपने जनसंपर्क अभियान को और तेज करेंगे।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

16 को महापंचायत में पूर्व मंत्री ददन के चुनाव लड़ने पर निर्णय देगी जनता

- डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, समावेशी समाज का दिया संदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे व राज्य सरकार के पूर्व वाणिज्यकर राज्य मंत्री ददन पहलवान इस बार आम जनता व समर्थकों के राय से चुनाव में खड़े होंगे। इसके लिए उन्होंने 16 नवंबर गुरूवार को अपने आवास पर महापंचायत का आयोजन किया है, जिसमें विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों से अपने समर्थकों तथा आम जनता को बुलवाया है।

इस महापंचायत में ही जनता उनके भाग्य का फैसला करेगी। ददन ने कहा कि यदि जनता ने चुनाव लड़ने के लिए अपना समर्थन दिया तो वे चुनावी मैदान में जरूर खड़ा होंगे।

बता दें कि इसके पूर्व भी ददन चुनाव से पूर्व अपने समर्थकों तथा आम लोगों से राय मशविरा करते है। बता दें कि ददन को डुमरांव विस की सीट काफी राश आती है तथा वे इस सीट से एक बार निर्दलीय भी चुनाव जीत चुके है।

चुनावी समर में हावी रहने वाले पहलवान पर क्षेत्र की जनता को भी बड़ा विश्वास रहता है। पहलवान शुरू से ही आम लोगों से काफी आत्मीयता से मिलते है। पहलवान ने कहा कि वर्तमान विधायक से क्षेत्र की जनता उब चुकी है। वर्तमान विधायक ने विकास के नाम पर सिर्फ जातीय समीकरण साधने तथा लोगों को आपस में लड़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यदि जनता का समर्थन व आशीर्वाद मिला तो वे इस बार भी डुमरांव सीट से चुनाव लड़ेंगे। ददन के इस महापंचायत को ले विरोधियों की मुश्किलें अभी से ही बढ़ गई है।

ददन ने बताया कि वे एनआर कटा चुके है, लेकिन जनता के निर्णय के बिना चुनावी मैदान में नहीं उतरेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव ऐतिहासिक होने जा रहा है तथा डुमरांव विस क्षेत्र की जनता बाहरी प्रत्याशियों को भगाने का काम करेगी।

मतदान तैयारियों को लेकर रिटर्निंग ऑफिसर का निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

- ईवीएम सुरक्षा, कर्मियों की तैनाती और मार्ग व्यवस्था की की गई विस्तृत समीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में मंगलवार को राजपुर विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह भूमि सुधार उप समाहर्ता ने राजपुर प्रखंड कार्यालय स्थित मतदान कर्मी डिस्पैच सेंटर और माध्यमिक विद्यालय, राजपुर में बने ईवीएम डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की और अधिकारियों-कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि मतदान कार्य से जुड़ी प्रत्येक तैयारी समय पर और सुचारू रूप से पूरी होनी चाहिए, ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की असुविधा या अव्यवस्था न हो। इस दौरान उन्होंने ईवीएम, वीवीपैट और कंट्रोल यूनिट के सुरक्षित रख-रखाव की स्थिति की जांच की। साथ ही मतदान दलों की तैनाती, मार्ग व्यवस्था और प्रेषण कार्य से संबंधित आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता की भी समीक्षा की।

रिटर्निंग ऑफिसर ने निर्देश दिया कि मतदान दलों के प्रस्थान के समय पूर्ण रूप से कतारबद्ध और व्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने उपस्थित सभी कर्मियों से अपील की कि वे निर्वाचन कार्य को पूर्ण निष्पक्षता, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ संपादित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की सफलता प्रत्येक कर्मी की जिम्मेदारी है और इसे ईमानदारी के साथ निभाना सभी का कर्तव्य है।

अंत में रिटर्निंग ऑफिसर ने उम्मीद जताई कि समर्पित टीम व बेहतर समन्वय के साथ राजपुर विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित किया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं मतदान व्यवस्था में लगे कर्मी उपस्थित थे।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से बक्सर निवासी शिक्षक की यूपी के भरौली में मौत, मची अफरा तफरी

- बक्सर में कोचिंग के अलावे भरौली के निजी विद्यालय में पढ़ाते थे मृतक मनीष सिंह, स्कूल से लौटने के दौरान हुए हादसे का शिकार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर से सटे यूपी के भरौली में मंगलवार की दोपहर एक भीषण हादसे में एक निजी विद्यालय के शिक्षक की मौत हो गई। इस घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। वहीं, इसकी जानकारी मिलते ही बक्सर में कोहराम मच गया।

मृतक मनीष कुमार सिंह मूल रूप से सिमरी थाना क्षेत्र के महरौली गांव के निवासी थे तथा वे बक्सर एंबेस्डर होटल के समीप पिछले 15 वर्षो से ग्लैक्सी कोचिंग सेंटर का संचालन करते थे, जहां वे आईएससी व बी. एससी के छात्रों को मैथ्स पढ़ाते थे। इसके अलावे वे भरौली के एक निजी विद्यालय में भी पढ़ाने काम करते थे।

मिली जानकारी के अनुसार वे मंगलवार की दोपहर स्कूल की छुट्टी के बाद बक्सर आ रहे थे, इसी दौरान भरौली में अचानक 11 हजार पॉवर का धारा प्रवाहित तार टूटकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

इसकी जानकारी मिलते ही उनके परिवार में कोहराच मच गया। घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। जबकि मनीष की मौत की खबर मिलते ही उनके छात्र भी मायूश हो गए। बताया जा रहा है कि कोचिंग के क्षेत्र में मनीष का बड़ा नाम था तथा पिछले डेढ़ दशक से उनकी गिनती बक्सर में मैथ्स के अच्छे शिक्षकों में होती थी। उनकी मौत की खबर सुनने के बाद बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए भरौली पहुंचे थे।

छठ घाट बनाने के दौरान पोखरे में फिसला युवक, डूबने से मौत

बक्सर । धनसोई थाना क्षेत्र के बन्नी गांव में मंगलवार की सुबह छठ घाट बनाने के दौरान एक युवक की पोखरे में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रेमजीत कुशवाहा (20 वर्ष), पिता प्रमोद कुशवाहा निवासी बन्नी गांव के रूप में की गई है। बताया जाता है कि प्रेमजीत अपने साथियों के साथ आगामी छठ महापर्व को लेकर गांव के पास स्थित पोखरे पर घाट बनाने गया था। इसी दौरान वह अचानक फिसलकर गहरे पानी में चला गया। साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह गहरे पानी में समा गया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद युवक को पोखरे से बाहर निकाला और आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वही,सूचना मिलते ही धनसोई थानाध्यक्ष रितेश दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। युवक की असामयिक मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एक नजर

बंझूडेरा गांव में जमीन विवाद में चटकी लाठियां, चार गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के बंझूडेरा गांव में जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्ष के लोग जख्मी हुए है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों से कुल तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, जबकि एक नाबालिग लड़की को भी पकड़ पुलिस ने न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि इस मामले में एक पक्ष के चंद्रेश्वर सिंह ने पांच लोगों पर जबकि दूसरे पक्ष की प्रतिमा देवी ने तीन लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में अन्य दोषियों को भी जल्दी ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

नया भोजपुर में स्पेयर पार्ट्स की दुकान की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़

डुमरांव। नया भोजपुर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर स्थानीय एक स्पेयर पार्ट्स की दुकान में छापेमारी कर विभिन्न ब्रांड के कुल 26.055 लीटर विदेशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान स्थानीय गांव निवासी सुनील यादव पिता चंद्रदेव यादव के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि नया भोजपुर स्थित चंदन स्पेयर पार्ट्स की दुकान के आड़ में शराब की तस्करी हो रही है। इस सूचना की तस्दीक के बाद एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। छापेमारी के दौरान उक्त दुकान से विभिन्न ब्रांडो की विदेशी शराब बरामद हुई, जिसके बाद शराब तस्करी के आरोप में दुकानदार सुनील यादव को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बिंदटोली में पुलिस की छापेमारी, एक हजार लीटर महुआ-गुड़ का जावा किया नष्ट

नावानगर। बासुदेवा थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव की बिंदटोली में मंगलवार को पुलिस ने अवैध शराब निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। थानाध्यक्ष अनिल कुमार पासवान के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने शराब बनाने के लिए तैयार किया गया लगभग एक हजार लीटर महुआ और गुड़ का घोल बरामद किया। जिसे मौके पर ही नालियों में गिराकर नष्ट कर दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि बिंदटोली गांव में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और गांव के एक हिस्से में छापेमारी की। इस दौरान कई बर्तनों और केनो में भरा हुआ महुआ-गुड़ का घोल मिला, जिसका उपयोग शराब बनाने में किया जाता है। पुलिस ने इन सभी सामग्रियों को नष्ट कर दिया ताकि भविष्य में इसका उपयोग न हो सके। थानाध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। जल्द ही उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और बिक्री करने वालों पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई से गांव और आसपास के क्षेत्रों में हड़कंप मच गया है।

चौसा में दो दिन तीन घंटे ठप रहेगी बिजली, 33 हजार फीडर में होगा मेंटेनेंस कार्य

चौसा। चौसा प्रखंड क्षेत्र में बुधवार व गुरुवार को बिजली आपूर्ति तीन घंटे के लिए बाधित रहेगी। बिजली विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, यह शटडाउन 33 हजार वोल्ट फीडर लाइन के आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य के लिए लिया जा रहा है। विभाग ने बताया कि दोपहर 1 बजे से दोपहर 3 बजे तक पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह ने बताया कार्यपालक अभियंता के निर्देश पर बुधवार व गुरुवार दो दिनों के दौरान 33 हजार फीडर मेंटनेंस कार्य किये जायेंगे। इस दौरान चौसा नगर पंचायत समेत ग्रामीण क्षेत्रों बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

पुलिस ने सिराढ़ में शराब की भट्ठी तोड़ी, 320 लीटर जावा किया विनष्ट

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाने की पुलिस ने चुनाव के लिए आए केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों के सहयोग से थाना क्षेत्र के सिसराढ़ गांव में गुप्त सूचना पर छापेमारी कर शराब की भट्ठी को ध्वस्त करने के साथ ही 320 लीटर महुआ जावा को जमीन पर गिरा विनष्ट कर दिया। हालांकि, पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान शराब तस्कर भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि एसआई सुभाष कुमार के नेतृत्व में प्रवीण कुमार, वकार अहमद एवं अन्य पुलिस कर्मियों की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर आसपास के खेतों में जब पड़ताल किया गया तो वहां महुआ शराब बनाने के प्रमाण मिले। जिसके बाद पुलिस ने भट्ठी को ध्वस्त कर दिया तथा बरामद जावा को जमीन पर गिरा विनष्ट कर दिया। विदित हो कि विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण निष्पक्ष कराने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। जिसके लिए केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बल एवं जवानों की कई टुकड़ियां मौजूद है। पुलिस लगातार विभिन्न जगहों पर गहन छापेमारी चलाया जा रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब की भट्ठी तोड़ने व जावा विनष्ट करने के बाद अब पुलिस तस्करों की शिनाख्त में जुट गई है।

आमने सामने टकराई दो बाइक, दोनों सवार जख्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के केसठ राजवाहा मार्ग पर मंगलवार को दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस टक्कर में दोनों बाइक सावार जख्मी हो गए है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने डायल 112 के सहयोग से दोनों को इलाज के लिए अस्पतला पहुंचाया। जख्मियों की पहचान कोरानसराय थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी बिट्टू महतो पिता सुरेन्द्र महतो तथा नावानगर थाना क्षेत्र के उसरा गांव निवासी सुल्तान धुनिया के रूप में की गई है।

घटना के बाद से दोनों के परिवार में अफरा तफरी मच गई है। सूचना मिलते ही दोनों के स्वजन अस्पताल पहुंच इलाज कराने में जुट गए है। पुलिस की माने तो इस दुर्घटना में दोनों को गंभीर चोटे आई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कोरानसराय थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी ने इसकी पुष्टि की है।

प्लस टू उच्च विद्यालय केसठ में बच्चों को वितरित किया गया बैग कीट

- नई पुस्तके व बैग पा खुश हुए छात्र, शिक्षकों ने मन से पढ़ाई के लिए किया प्रेरित

केटी न्यूज/केसठ

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के तहत मंगलवार को प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय केसठ में विद्यार्थियों के बीच पाठ्य पुस्तकों एवं स्कूली बैग का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 350 छात्र-छात्राओं को नई पाठ्य पुस्तकें और बैग दिए गए। विद्यालय परिसर में आयोजित इस वितरण समारोह की अध्यक्षता विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका भावना कुमारी ने की। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुदृढ़ करने एवं बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से बिहार शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की नींव है, और बच्चों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना उनकी सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि विद्यालय में कुल 567 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। इससे पूर्व 250 विद्यार्थियों के बीच पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया जा चुका है, जबकि मंगलवार को शेष 100 विद्यार्थियों के बीच वितरण संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि शेष विद्यार्थियों को भी शीघ्र ही पुस्तकें उपलब्ध करा दी जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखा गया। छात्र-छात्राओं ने नई पुस्तकें एवं बैग पाकर खुशी व्यक्त की और नियमित रूप से अध्ययन करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर शिक्षकों ने बच्चों को मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी एवं अभिभावक उपस्थित थे। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। वहीं, नई पुस्तके तथा बैग पाने वाले छात्रों के चेहरे पर प्रसन्नता झलक रही थी। छात्र काफी खुश नजर आ रहे थे। बता दें कि इस बार राज्य सरकार, सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को निजी विद्यालयों के छात्रों की तरह बेहतर आउट लुक देने के लिए नई पुस्तकों के साथ ही नया बैग भी दे रहा है।

मतदाता जागरूकता को लेकर बीडीओ शैफाली ने नोखा नगर परिषद में दिलाई शपथ

केटी न्यूज/रोहतास

लोकतंत्र का महापर्व की वास्तविक शक्ति तभी प्रकट होती है जब प्रत्येक नागरिक निर्भीक होकर चुनाव में अपना मतदान करता है। इसे लेकर नोखा प्रखंड विकास पदाधिकारी शैफाली ने मतदाता जागरूकता को लेकर नगर परिषद सभागार में अधिकारियों को शपथ दिलाया। अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा वर्ग,विशेष रूप से प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाता, लोकतंत्र के भविष्य के मुख्य आधार स्तंभ हैं। उन्हें सक्रिय रूप से मतदाता बनने एवं अन्य लोगों को मतदान हेतु प्रेरित करने की आवश्यकता है। जो निर्वाचन आयोग के स्वीप कार्यक्रम के तहत प्रत्येक नागरिक तक मतदान के महत्व की जानकारी पहुचाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। जिसको लेकर प्रखंडों एवं पंचायतों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। ताकि हर मतदाता अपनी भूमिका को समझे। शपथ के सभी प्रतिभागियों को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण मतदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दशार्ते हुए सामूहिक रूप से निर्भीक शपथ दिलाई गई। मौके पर बीडीओ शैफाली ने जीविका दीदियों के साथ भी शहर में मतदाता जागरूकता निकाल लोगों को अपने मताधिकार के जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में सीटी मैनेजर प्रवीण कुमार ओझा, ब्रांड एंबेसडर राजेन्द्र सिंह, स्वच्छता प्रभारी नेहा प्रसाद,बीपीएम रविकांत शर्मा, सत्यनारायण प्रसाद, संजय कुमार सहित सभी अधिकारी और कर्मी उपस्थित थें।

नोखा थाना क्षेत्र के भंवरह काली टोला में घटी दिल दहला देने वाली वारदात

दहेज की बलि चढ़ी नवविवाहिता : पति और सास गिरफ्तार, पुलिस ने गठित की विशेष जांच टीम

केटी न्यूज/रोहतास

भंवरह काली टोला में दहेज की लालच में एक और मासूम जिंदगी बुझ गई। संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 23 वर्षीय काजल कुमारी के रूप में हुई है, जिसकी शादी करीब दो वर्ष पूर्व भंवरह काली टोला निवासी पवन कुमार से हुई थी। सूचना मिलते ही नोखा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालकार के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के मायके वालों में कोहराम मच गया। मृतका के पिता राधेश्याम सिंह, जो दिनारा थाना क्षेत्र के औला चौक भानपुर पंचायत निवासी हैं, ने नोखा थाने में आवेदन देकर दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए उनकी बेटी को प्रताड़ित करते थे। राधेश्याम सिंह ने बताया कि कुछ महीने पहले भी मारपीट की घटना को लेकर पंचायत बैठाई गई थी, लेकिन ससुराल वालों का रवैया नहीं बदला। पिता के मुताबिक, पिछले तीन दिनों से पति पवन कुमार और सास लीलावती देवी लगातार काजल से मारपीट कर रहे थे। इसी प्रताड़ना के चलते उसकी मौत हुई। थानाध्यक्ष ने बताया कि सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए पति पवन कुमार और सास लीलावती देवी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं, फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। पुलिस ने पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम का गठन किया है ताकि आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूतों के आधार पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालकार ने कहा, प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पूरे प्रकरण की गहन जांच जारी है, दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर समाज में दहेज प्रथा की काली सच्चाई को उजागर कर दिया है। जहां एक बेटी की खुशियों की कीमत चुकानी पड़ी उसकी जान से। ग्रामीणों ने भी इस अमानवीय कृत्य की निंदा करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालकार ने कहा

प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जारी है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर समाज में व्याप्त दहेज प्रथा की काली सच्चाई को सामने ला दिया है। जहां एक बेटी की खुशियों की कीमत उसकी जान बन गई। घटना के बाद से इलाके में शोक की लहर है और ग्रामीणों ने इस अमानवीय कृत्य की निंदा करते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

बिक्रमगंज : रेलवे स्टेशन पर सघन टिकट जांच अभियान से बिना टिकट वाले यात्रियों में मचा हड़कंप

- **लगभग सैंकड़ों बिना टिकट वाले यात्रियों से रेलवे अधिकारियों ने वसूला जुर्माना**

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज (रोहतास) मंगलवार को बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन पर टिकट जांच अभियान को लेकर अफरातफरी का माहौल देखा गया । पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के सहायक वाणिज्य प्रबंधक आर.के.सिन्हा के नेतृत्व में यह सघन अभियान चलाया गया,जिसमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन,दानापुर मंडल,गया मंडल,सासाराम एवं डिहरी-ऑन-सोन से आए विभागीय अधिकारी भी शामिल रहे। इस अभियान के दौरान जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म पर पहुंची,सभी अधिकारी सक्रिय हो गए और यात्रियों के टिकटों की गहन जांच शुरू कर दी गई । अचानक हुए इस अभियान से बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों में हड़कंप मच गया। कई यात्री ट्रेन से कूदकर या स्टेशन से भागते हुए नजर आए। स्टेशन पर रेलवे अधिकारियों ने रेलवे पुलिस के सहयोग से बिना टिकट यात्रा करते हुए सैकड़ों यात्रियों को पकड़ा। जिनसे जुमार्ना वसूलने की कार्रवाई की गई। इस सघन जांच अभियान के दौरान बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटर पर यात्रियों की लंबी कतारें लग गई,क्योंकि लोग टिकट लेकर यात्रा सुनिश्चित करना चाहते थे ।अभियान की जानकारी देते हुए बिक्रमगंज रेलवे विभाग के एएसआई आर.पी. मिश्रा ने बताया कि यह कार्रवाई रेलवे राजस्व संरक्षण और यात्रियों में अनुशासन कायम रखने के उद्देश्य से की गई है । उन्होंने कहा बिना टिकट यात्रा करना दंडनीय अपराध है । यात्रियों से अपील है कि वे हमेशा वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें,ताकि असुविधा से बचा जा सके ।मौके पर सभी मंडलों के वरीय अधिकारी,रेल पुलिस बल और बड़ी संख्या में यात्री मौजूद रहे ।

बुलेट के नए मॉडल की खरीदारी बिक्रमगंज के एजेंसी में जमकर कर रहें ग्राहक

- **आर.बी. मोटर्स में 4999 रु में धनतेरस पर बुलेट खरीदारी कर सपने करें साकार : प्रबंधक**

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद बिक्रमगंज के आरा रोड़ स्थित आर.बी. मोटर्स बुलेट एजेंसी की शोरूम में जमकर खरीदारी कर रहें है ग्राहकों। धनतेरस की धनवर्षा और दीपावली के रोशनी पर्व को अपने जीवन को यादगार बनाने के लिए बिक्रमगंज के बुलेट शोरूम में नए लुक की बुलेट खरीदने के लिए ग्राहक एडवांस बुकिंग तक कराते नजर आ रहें है। जिसके लिए रोहतास जिला क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों से ग्राहक प्रतिदिन बुलेट शोरूम में पहुंच अपने पसंद की नए लुक बुलेट बाइक की खरीदारी कर रहें है। बहुत से ग्राहक तो बुलेट खरीदारी के एजेंसी खुलने का सुबह में इंतजार भी करते दिख रहे हैं। इस संबंध में आर.बी. मोटर्स के प्रबंधक अजीत कुमार सिंह ने बताया कि मेरा एक ही सपना है बुलेट बाइक की खरीदारी में ग्राहकों मिल सके विशेष ऑफर वाली सुविधा। जिसके लिए शोरूम के माध्यम एक्सचेंज सुविधा ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगी। साथ ही प्रबंधक अजीत ने कहा कि ग्राहकों के बीच विभिन्न मॉडल की लांच गाड़ी हमेशा उपलब्ध है। ताकि ग्राहक को खरीदारी करने के लिए बिक्रमगंज से बाहर दूसरे शहर में जाना ना पड़े। उन्होंने बताया कि लोगों के आर्थिक सुविधा को लेकर फाइनेंस की सुविधा मात्र 4999 रुपए की डाउन पेमेंट पर नई बुलेट की चमचमाती बाइक पर लागू रहेगी। जिसको लेकर पूरे रोहतास जिला से ग्राहक धनतेरस की खरीदारी के लिए अभी से आर.बी. बुलेट एजेंसी,बिक्रमगंज में अपना बुकिंग करा रहें है।

रोशनी के दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीपो से चमकेंगे घर आंगन

- **देश के प्राचीन सभ्यता को याद कर कुम्हार बिक्री के लिए बना रहें लाखों मिट्टी के दीप**

केटी न्यूज/रोहतास

धनतेरस और दीपावली पर्व की आहट के साथ ही बिक्रमगंज नगर में चहल-पहल बढ़ गई है। हर गली-मोहल्ले में सजावट की तैयारी चल रही है,वहीं नगर के वार्ड संख्या 14 स्थित आस्कामिनी नगर के कुम्हार इन दिनों युद्धस्तर पर मिट्टी के दीये,श्रीगणेश-लक्ष्मी की प्रतिमाएं,खिलौने और पूजन सामग्री तैयार करने में जुटे हुए हैं । चाक की लगातार घूमती ध्वनि और मिट्टी की सोंधी खुश्बू से पूरा इलाका भक्ति और परंपरा की आभा से महक उठा है ।मिट्टी से दीये गढ़ते हुए कुम्हार ललन प्रजापति भावुक होकर बताते हैं कि धनतेरस व दीपावली हमारे जीवन का सबसे बड़ा पर्व है । इस दिन हर घर में दीये जलते हैं,तभी तो हम दिन-रात काम कर रहे हैं । सुबह सूरज निकलने से पहले ही चाक पर मिट्टी चढ़ा देते हैं और देर रात तक दीये बनाते हैं । थकान तो होती है,लेकिन जब दीपावली की रात लोगों के घर हमारे बनाए दीयों से रोशन होते दिखते हैं,तो सारी मेहनत सार्थक लगती है । वहीं दूसरे कारीगर मुंशी प्रजापति कहते हैं कि बिजली की लाइटें चाहे कितनी भी चमकदार हों,मिट्टी के दीयों की बात ही अलग है । उनमें श्रद्धा है,परंपरा है, और एक आत्मिक सुकून है । लोग अब फिर से पारंपरिक दीयों की ओर लौट रहे हैं यही हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है । कुम्हारों के घरों में इस समय चारों ओर रंग-बिरंगे दीयों की कतारें सजी हैं । कोई लाल रंग भर रहा है,तो कोई सुनहरे रंग की चमक जोड़ रहा है । महिलाएं और बच्चे दीयों को रंगने में मदद कर रहे हैं । मिट्टी के बने श्री गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां भी इस वर्ष आकर्षक डिजाइनों में तैयार की जा रही हैं । बाजारों में इन दिनों दीयों की मांग चरम पर है । व्यापारी बताते हैं कि इस बार पारंपरिक दीयों के साथ फूल के आकार वाले,डबल बाती वाले और रंगीन दीयों की सबसे अधिक मांग है । कुम्हारों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के बावजूद वे कीमतें कम रखने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हर घर में दीपावली पर मिट्टी का दीया जल सके । ललन प्रजापति ने मुस्कुराते हुए कहा कि हमारे बनाए दीये सिर्फ घर नहीं,दिल भी रोशन करते हैं । जब मां लक्ष्मी के पूजन में लोग इन्हें जलाते हैं,तो ऐसा लगता है जैसे हमारी मेहनत भगवान को अर्पित हो गई । मुंशी प्रजापति ने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि नई पीढ़ी भी मिट्टी के इस काम को सीखे । यह सिर्फ रोजगार नहीं,बल्कि हमारी संस्कृति की धड़कन है । धनतेरस व दीपावली जैसे पावन अवसर पर बिक्रमगंज के ये कुम्हार न सिर्फ मिट्टी से दीये बना रहे हैं,बल्कि अपने परिश्रम से पूरे समाज में उजियारा फैलाने का काम कर रहे हैं ।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में नियंत्रित ट्रैक्टर के चपेट में आने से साईकिल सवार की मौत

बिक्रमगंज । नासरीगंज थाना क्षेत्र के मौना राजपुर एसएच पर मौना बभनडीह गांव के बीच तेज रफ्तार से ईंट लदे ट्रैक्टर ने साइकिल सवार को मारी जोरदार टक्कर। जिसके बाद घटनास्थल पर ही साइकिल सवार की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक धनांव पंचायत के बिक्रम बीघा गांव निवासी 70 वर्षीय बिहारी सिंह यादव हैं। घटना के बाद ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है और उसके चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक मौना बाजार से आलू का बीज भरा बोरा लेकर गांव जा रहे थे,उसी क्रम में ईंट लदा तेज रफ्तार ट्रैक्टर भी मौना से नासरीगंज की ओर जा रहा था, साइकिल से ओवेरटेक करता हुआ ट्रैक्टर ज्यों ही बढ़ा आलू का बोरा टकराया और नियंत्रण खोकर मृतक गिर गए। जिससे ट्रैक्टर का दोनों चक्का उनपर चढ़ गया और घटनस्थल पर ही उनकी मौत हो गई । सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया व चालक को गिरफ्तार कर लिया है । गुस्साए लोगों ने मौना राजपुर पथ को जाम कर वरीय अधिकारियों के आगमन व मृतक के स्वजन को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे । सूचना पर पहुंचे बीडीओ मो. नौशाद आलम सिद्दीकी,सीओ अंचला कुमारी,थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, उप मुखिया अनिल कुमार,राजद प्रखंड अध्यक्ष मन्ना खान,पूर्व जिला पार्षद रवि कुमार गांधी,भीष्म नारायण सिंह,बीडीसी बड़क अंसारी ने समझा बुझाकर एवं मृतक के स्वजनों को मुआवजा देने का आश्वासन दे घंटों लगे सड़क जाम को हटवाया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया । इधर उक्त दर्दनाक घटना को ले मृतक के स्वजनों में मातम पसर गया है ।मृतक एक छोटे किसान थे जिनके दो पुत्र हैं । मेहनत मजदूरी कर जीविकोपार्जन करते थे। घटना के बाद पीड़ित परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है । ग्रामीणों एवं जनप्रतिननिधियों ने मृतक के स्वजनों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है ।

मारपीट मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार

संझौली । पुलिस ने सोमवार की रात कार्रवाई करते हुए मारपीट मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। संझौली थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के गडुरा निवासी सुरेश सिंह पिता मालिक सिंह को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 177/25 के आलोक में मारपीट का मामला दर्ज था।

काराकाट थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का शिकार हुआ व्यक्ति, ठगों ने 38 हजार रुपए उड़ाया

काराकाट । मामला थाना क्षेत्र के मालपुरा निवासी स्व परमानन्द चौधरी के पुत्र ओमशंकर कुमार के बैंक खाते से हैकरों ने यूपीआई के जरिए 38000 रुपए निकाल लिए। यह घटना 13 अक्टूबर को रात 7:00 बजे हुई, जब ठगों ने तीन बार में यह रकम उड़ाई। हैकरों से पीड़ित ओमशंकर कुमार ने बताया कि यह घटना उसे वक्त की है जब मेरे पास एक रिश्तेदार उत्पन्न कर फोन करता है और कहता है कि मैं आपके मौसी का लड़का बोल रहा हू हालांकि मैं पहचान नहीं पाया और उसके खाते में निरंतर पैसे ट्रांसफर करते गया इसमें पहली बार 10000 रु फिर 8000 रु और अंत मे 20000 रु यानी कुल 38 हजार रुपये तक उसके यूपीआई में ट्रांसफर करता गया। हम तो तुम मुझे महसूस हुआ कि मेरे साथ फ्रॉड हो गया। इसके बाद उन्होंने अगले दिन मंगलवार को काराकाट थाने में लिखित आवेदन दी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ठगों का पता लगाने के लिए लेनदेन के विवरण और साइबर ट्रेल की जांच की जा रही है। इस बीच, स्थानीय लोगों ने ऑनलाइन ठगी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है और साइबर सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ाने की मांग की है। वहीं दूसरी ओर गडूरा निवासी जितेंद्र कुमार सिंह का उनके अपने रिटेलर खाद दुकान से मोबाइल चोरी होने की आवेदन थाना में दी है।

महाविद्यालय में मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य पर एकदिवसीय वर्कशॉप का आयोजन

आरा। मंगलवार को एच. डी. जैन महाविद्यालय, आरा के तत्वाधान में आईआईटी पटना के द्वारा 'एडवांसिंग मैटरनल एन्ड चाइल्ड केअर हेल्थ इन बिहार' विषय पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन भूगोल विभाग के साथ समन्वय में किया गया। इस वर्कशॉप मे मुख्य अनुसंधानकर्ता के रूप में आईआईटी पटना की असोसिएट प्रो. डॉ. पापिया राज ने कार्यक्रम में इस विषय की गंभीरता पर अपना विषय प्रवेश पर अपना व्याख्यान दिया। वर्कशॉप के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. राजीब रॉय ने वर्कशॉप को संबोधित करते हुए विस्तार से इस विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्य वक्ता ईएसआई से राजीव रॉय नाम पीटी प्रस्तुतीकरण से अपना प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किया। विशिष्ट वक्ता एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर सम्मिलित हुए आरा के प्रसिद्ध सर्जन डॉ० विजय गुप्ता ने भी मैटरनल एन्ड चाइल्ड केअर हेल्थ के महत्व को रेखांकित किया। इसके अतिरिक्त गायनेकोलॉजिस्ट डॉ० रजनी कौशव ने भी स्वस्थ माँ-बच्चे एवं संस्थानगत डिलीवरी के महत्व पर प्रकाश डाला।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत रेलवे पुलिस स्थानीय पुलिस कराया अवगत

- **मृतक व्यक्ति की पहचान भोजपुर जिला के हसन बाजार थाना के रूप में हुई**
- **पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंपा**

केटी न्यूज/रोहतास

मंगलवार को आरा-सासाराम रेलखंड पर थाना क्षेत्र के शिवपुर हाल्ट गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई । सूत्रों के हवाले यह घटना मंगलवार की सुबह करीब 7:30 बजे घटित होने की बात बताई जा रही है । जैसे ही इसकी सूचना रेलवे विभाग बिक्रमगंज को मिली,तो मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए रेलवे विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच मामले की जानकारी ली। उसके उपरांत रेलवे विभाग बिक्रमगंज के द्वारा घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। स्थानीय पुलिस को घटित घटना की जानकारी जैसे ही प्राप्त हुई घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान भोजपुर जिला के हसन बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत मझियांव गांव निवासी बलिराम शर्मा के 30 वर्षीय पुत्र चंदन शर्मा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि मृतक के शव को परिजनों समक्ष कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है।

चुनाव के बीच बिहार में छठ महापर्व की तैयारियां तेज, प्रमंडलीय आयुक्त ने पटना के घाटों का किया निरीक्षण

एजेंसी। पटना

बिहार में छठ महापर्व की तैयारियां अब जोर-शोर से चल रही हैं और प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ पर्व की सुरक्षा और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने में जुटा है। पटना के प्रमंडलीय आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने इस संदर्भ में घाटों का निरीक्षण किया और छठ महापर्व की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा, नगर आयुक्त यशपाल मीणा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। आयुक्त ने दीघा-पाटीपुल घाट से कलेक्टोरेट घाट तक लगभग 9

किलोमीटर पैदल चलकर घाटों की स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा व व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने बताया कि छठ महापर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सूर्य देव की पूजा के लिए घाटों पर आते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को पुख्ता सुरक्षा इंतजाम, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं के लिए विशेष निर्देश दिए। खतरनाक या असुरक्षित घाटों को चिन्हित किया गया है ताकि लोग वहां पर्व करने से बचें। घाटों के भौगोलिक विशेषताओं, जल-स्तर, एप्रोच रोड, कटाव, ढलान और गड्ढों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों को बैरिकेडिंग, साइनेज, कंट्रोल रूम, वाच टावर, प्रकाश व्यवस्था, चेंजिंग रूम, पेयजल, शौचालय, वाहन पार्किंग और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती, नाव-नाविकों और गोताखोरों की व्यवस्था भी की जा रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत और बचाव कार्य किया जा सके। अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि घाटों पर आने-जाने वाले मार्गों का यातायात सुचारु और सुरक्षित रूप से संचालित हो। इसके लिए अल्टरनेट रूट्स, पुलिस फ्लैग मार्च और मोबाइल पेट्रोलिंग का प्रावधान किया गया है। प्रशासन ने स्थानीय वॉलंटियर्स और एनजीओ के साथ समन्वय स्थापित किया है ताकि श्रद्धालुओं को आवश्यक सेवाएं जैसे पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर मिल सकें।छठ महापर्व के दौरान सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कोविड-19 और अन्य संक्रामक रोगों से बचाव के लिए आवश्यक उपायों को भी लागू किया जाएगा। आयुक्त पराशर ने कहा कि इस बार प्रशासन ने सभी घाटों पर सघन निगरानी और नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तेजी से कार्रवाई की जा सके। इस प्रकार, बिहार प्रशासन ने छठ महापर्व को सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा लिए हैं, ताकि पर्व धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ शांतिपूर्ण रूप से मनाया जा सके।

मांझी की हम पार्टी ने जारी की प्रत्याशियों की सूची, छह सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ठऊअ के घटक दल, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (ऌअट) ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी को एनडीए में 6 सीटें मिली हैं, और 'हम' ने इन सभी 6 सीटों पर अपने कैंडिडेट की लिस्ट जारी कर दी। इस सूची में पार्टी ने अपने चार मौजूदा विधायकों पर फिर से भरोसा जताया है, जबकि अतरी और कुटुंबा सीट पर नए उम्मीदवारों को मौका दिया गया है। 6 उम्मीदवारों में से 2 महिला उम्मीदवार हैं। 'हम' की पहली सूची में सबसे चर्चित नाम जीतन राम मांझी की बहू दीपा कुमारी का है। उन्हें इमामगंज विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। दीपा कुमारी के अलावा, दूसरी महिला उम्मीदवार बाराचट्टी से ज्योति देवी हैं, मांझी की समधन हैं। पार्टी ने परिवार की इन दो महिला उम्मीदवारों पर भरोसा जताकर वोटरों को साधने की कोशिश की है।मांझी की पार्टी से

टिकारी उम्मीदवार जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण कुमार के भाई है। अरुण कुमार हाल ही में जेडीयू में शामिल हुए थे। वहीं, अतरी से जीतन राम मांझी ने जिसे टिकट दिया, वो रोमित कुमार सिंह, पूर्व सांसद अरुण कुमार के भतीजे हैं। माना जा रहा है कि अरुण कुमार के बेटे ऋतुराज को जेडीयू से टिकट मिल सकता है। पार्टी ने चार पुरानी सीटों पर अपने मौजूदा विधायकों को दोबारा मौका दिया है। बाराचट्टी से ज्योति देवी, टिकारी से अनिल कुमार, सिकंदरा से प्रफुल्ल कुमार मांझी समेत अन्य वर्तमान विधायकों को रिपीट किया गया है। दूसरी ओर, अतरी से रोमित कुमार सिंह और कुटुंबा से ललन राम को नया उम्मीदवार बनाया गया है। एनडीए गठबंधन में सीटों के बंटवारे के तहत, 'हम' 6 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस गठबंधन में बीजेपी और जेडीयू को 101-101 सीटें मिली हैं, जबकि एलजेपी (रामविलास) को 29 और आरएलएम को भी 6 सीटों पर चुनाव लड़ना है।

चार वर्तमान विधायकों को दोहराया गया

पार्टी ने चार पुरानी सीटों पर अपने मौजूदा विधायकों को दोबारा मौका दिया है। बाराचट्टी से ज्योति देवी, टिकारी से अनिल कुमार, सिकंदरा से प्रफुल्ल कुमार मांझी समेत अन्य वर्तमान विधायकों को रिपीट किया गया है। दूसरी ओर, अतरी से रोमित कुमार सिंह और कुटुंबा से ललन राम को नया उम्मीदवार बनाया गया है। इसमें टिकारी

एनडीए का सीट बंटवारा

एनडीए गठबंधन में सीटों के बंटवारे के तहत, 'हम' 6 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस गठबंधन में बीजेपी और जेडीयू को 101-101 सीटें मिली हैं, जबकि एलजेपी (रामविलास) को 29 और आरएलएम को भी 6 सीटों पर चुनाव लड़ना है।

मैदान में मांझी की बहू और समधन

'हम' की पहली सूची में सबसे चर्चित नाम जीतन राम मांझी की बहू दीपा कुमारी का है। उन्हें इमामगंज विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। दीपा कुमारी के अलावा, दूसरी महिला उम्मीदवार बाराचट्टी से ज्योति देवी हैं, मांझी की समधन हैं। पार्टी ने परिवार की इन दो महिला उम्मीदवारों पर भरोसा जताकर वोटरों को साधने की कोशिश की है।मांझी की पार्टी से टिकारी उम्मीदवार जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण कुमार के भाई है। अरुण कुमार हाल ही में जेडीयू में शामिल हुए थे।

एक नजर

मानसून के जाते ही बिहार में ठंड की जोरदार एंट्री, इस बार टूटेगा कई दशकों का रिकॉर्ड

बिहार से मानसून ने 13 अक्टूबर को आधिकारिक विदाई ले ली है और इसके साथ ही ठंड ने जोरदार एंट्री भी मार दी है। इस बार मानसून ने 31% कम बारिश दी है जिससे सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, सहरसा जैसे 23 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। अब उत्तर-पश्चिमी पछुआ हवाओं ने मौसम को सिहरन भरा बना दिया है। पटना में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तक गिर चुका है और अधिकतम 28-32 डिग्री के बीच रह रहा है। सुबह कोहरा और शाम की ठंडक बता रही है कि सर्दी का मौसम आ गया। मौसम विभाग ने अगले हफ्ते बारिश की कोई संभावना नहीं जताई, लेकिन आने वाले समय में रातें और ठंडी होंगी यह तय है। इस साल मानसून ने बिहार को निराश किया है। सामान्य 992.2 मिमी बारिश के मुकाबले सिर्फ 686.3 मिमी हुई। रोहतास, बक्सर और गया में बारिश ठीक रही, लेकिन पूर्वी चंपारण, सुपौल, मधेपुरा और भागलपुर में 20-59% कम वर्षा ने किसानों की मुश्किलें बढ़ाईं। खेतों में दरारें और जलस्तर में कमी ने चिंता बढ़ा दी। अब मानसून की जगह पछुआ हवाएं ले रही हैं जो हिमालय की ठंडी हवा को मैदानों तक ला रही हैं। ग्रामीण इलाकों में सुबह हल्का कोहरा और ओस दिखने लगा है, यह सर्दी का पहला संकेत है। आईएमडी के मुताबिक, इस बार ला नीना का प्रभाव सर्दी को और तीखा करेगा। प्रशांत महासागर में ठंडा तापमान उत्तरी भारत में शीतलहर को बढ़ाएगा। हिमाचल और कश्मीर में पहले ही बर्फबारी शुरू हो चुकी है, जिसका असर बिहार में दिसंबर-जनवरी में कड़ाके की ठंड के रूप में दिखेगा। तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री नीचे जा सकता है। पटना में आज आसमान साफ रहेगा, अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री और न्यूनतम 23-25 डिग्री के बीच रहने वाला है। अदक 120-150 के बीच है जो सैर के लिए ठीक है। गया (21-31°C, अदक 135), मुजफ्फरपुर (22-30°C, अदक 95), पूर्णिया (22-32°C, अदक 110) और भागलपुर (22-32°C, अदक 115) में भी मौसम शुष्क रहेगा।

बिहार के कटिहार में फिर हुआ नाव हादसा, एक बच्ची की मौत; दो की हालत गंभीर

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले से एक बार फिर नाव हादसे की दर्दनाक खबर सामने आई है। यह घटना सेमापुर ओपी थाना क्षेत्र की है, जहां गंगा नदी में एक नाव पलटने से एक किशोरी की मौत हो गई और चार लोग डूब गए। ग्रामीणों की तत्परता से चारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, हालांकि उनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, नाव में एक ही परिवार के पांच सदस्य सवार थे। वे घास लेकर गंगा नदी पार करके घर लौट रहे थे। जैसे ही नाव नदी के बीच धारा में पहुंची, संतुलन बिगड़ गया और नाव पलट गई। हादसे में 13 वर्षीय जूही कुमारी की मौके पर ही डूबने से मौत हो गई। परिवार के अन्य सदस्यों रंजू देवी, निशु कुमारी, कोमल कुमारी और चिंटू कुमार को ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर किसी तरह बचा लिया। इनमें से रंजू देवी और निशु कुमारी की हालत नाजुक है, जिन्हें आनन-फानन में कटिहार सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बता दें कि इससे पहले शनिवार, 11 अक्टूबर को भी बिहार के मोतिहारी जिले में लखौरा थाना क्षेत्र के लखौरा पुरबारी टोला में सिकरहना नदी में एक नाव पलट गई थी। उस हादसे में 15 लोग नदी में डूब गए थे, जिनमें से तीन की मौत हो गई थी। बताया गया कि ग्रामीण पशुओं के लिए चारा लेकर नाव से लौट रहे थे। बीच धारा में तेज हवा के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। एक व्यक्ति किसी तरह तैरकर बाहर निकला और गांव जाकर घटना की सूचना दी।

पटाखा फैक्ट्री में निर्माण के दौरान हुआ ब्लास्ट, दो लोग घायल, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी। पटना

बिहार के सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र के ओल्हनपुर गांव में सोमवार को अवैध पटाखा निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पटाखा तैयार करने के क्रम में किसी व्यक्ति द्वारा सिगरेट सुलगाने से अचानक विस्फोट हो गया, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। धमाके की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमा सक्रिय हो गया और मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक (रऱढ), पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), अनुमंडल पदाधिकारी (रऊड) मढ़ौरा और एसडीपीओ मढ़ौरा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान पुलिस को वहां से भारी मात्रा में तैयार पटाखे, निर्माण सामग्री, ज्वलनशील पदार्थ, केमिकल और चारकोल बरामद हुए। पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित कर लिया गया है और वैज्ञानिक जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब (ऋरछ) की टीम को बुलाया गया है, जो घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में

पाया कि पटाखा निर्माण कार्य संभवतः बिना लाइसेंस के चल रहा था। इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उनसे निर्माण की प्रकृति, मालिक की पहचान और रॉ मटेरियल के स्रोत के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। निरीक्षण के दौरान सारण रऱढ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घटना के हर पहलू की गहन जांच की जाए और दोषियों पर शीघ्र तथा कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लाइसेंस, सुरक्षा मानकों और सप्लाई चैन की पूरी जांच कर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। धमाके के बाद इलाके में फैली अफरातफरी की स्थिति को अब नियंत्रित कर लिया गया है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है और आसपास के इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की जाएगी।

1500 कंपनियों की सीएपीएफ तैनाती, बिहार चुनाव से पहले नक्सल इलाकों में सघन निगरानी

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों को और मजबूत करने के लिए सोमवार को केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) ने की और इसमें विभिन्न एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में कस्टम, रेवेन्यू इंटेलिजेंस, प्रवर्तन निदेशालय (एऊ), एनसीबी, एनआईए, ईओयू, वायु सेना, एसआईबी, बिहार पुलिस, सीएपीएफ, रेलवे और वन विभाग के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में आपसी समन्वय, खुफिया जानकारी साझा करने और अंतरराष्ट्रीय सीमा के बेहतर प्रबंधन पर जोर दिया गया। बैठक में विशेष रूप से भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा स्थिति का आकलन किया गया। एजेंसियों ने तस्करी, मादक पदार्थों की अवैध लेनदेन और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त तत्वों पर निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। अधिकारियों ने इस दिशा में स्थानीय पुलिस और अन्य एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान चलाने पर सहमति जताई। यह अभियान न केवल नशे और अवैध शराब की तस्करी को रोकने में मदद करेगा, बल्कि नकदी और अन्य

अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण भी सुनिश्चित करेगा। एसएसबी ने फ्रंटियर पटना में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, जहां से सीमा सुरक्षा और खुफिया गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। एसएसबी के महानिरीक्षक निशीत कुमार ने बताया कि बिहार चुनाव के लिए 230 कंपनियां एसएसबी की आवंटित की गई हैं, जिनमें से 145 कंपनियां प्री-पोल तैनाती के लिए गंतव्य पर पहुंच चुकी हैं। इस तैनाती का उद्देश्य मतदाताओं और आम जनता में विश्वास जगाना और चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखना है। बिहार पुलिस के एडीजी (विधि व्यवस्था) पंकज दराद ने जानकारी दी कि अर्द्धसैनिक बलों की कुल 1500 कंपनियां राज्य में तैनात की जा रही हैं। इसमें से 500 कंपनियां पहले से तैनात हैं, 500 कंपनियों का इंडक्शन शुरू हो चुका है, जबकि बाकी की 500 कंपनियों की तैनाती 30 अक्टूबर से होगी।

मोकामा में गोलीबारी से हड़कंप, 10 राउंड हुई फायरिंग, 16 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

एजेंसी। पटना

पटना के मोकामा विधानसभा क्षेत्र में सोमवार को आपसी रंजिश के चलते गोलीबारी की घटना ने हड़कंप मचा दिया। घटना घोसवरी थाना क्षेत्र के गोसाईं गांव की है, जहां दो विरोधी गुट आमने-सामने आ गए। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, दोनों पक्षों के कुख्यात और उनके समर्थकों ने अत्याधुनिक हथियारों से एक-दूसरे पर गोलियां चलाना शुरू कर दी। फिलहाल पुलिम इस मामले में जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गोलीबारी में एके-47 जैसे हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया, हालांकि पुलिस ने इस दावे से इनकार किया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और डर का माहौल हो गया। पुलिस ने इस मामले में 16 आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घोसवरी थाना प्रभारी मधुसूदन कुमार ने बताया कि पुलिस ने चार आरोपित दिनेश यादव, गन्नू यादव, रंजीत कुमार और राहुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी आरोपितों की तलाश में छापेमारी और सघन जांच जारी है। पुछताछ के दौरान ग्रामिणों ने बताया कि इस गोलीबारी में लगभग चार दर्जन गोलियां चलीं, जबकि पुलिस ने

केवल 10 राउंड फायरिंग होने की पुष्टि की है। इस घटना का कारण स्थानीय रंजिश बताया जा रहा है। एक गुट स्थानीय प्रत्याशी का समर्थक, जबकि दूसरा गुट उसके विरोधी के साथ जुड़ा हुआ था। घटना से पहले, सोमवार की शाम को कुछ गांव के युवक लक्ष्मी पूजा का चंदा मांगने विरोधी गुट के पास गए थे। आरोपितों ने उन युवकों के साथ झड़प की और कुछ को पीट भी दिया। बाद में कुख्यात दिवाकर यादव और मिथिलेश यादव उर्फ मिट्ठू यादव अपने समर्थकों के साथ आमने-सामने आ गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने हथियार निकालकर लगभग 40 से अधिक राउंड फायरिंग की। हालांकि, गोलीबारी के बावजूद किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन गांव के लोग इस घटना से सकते में आ गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपित फरार हो चुके थे। बाद में दिनेश यादव और राहुल कुमार के आवेदन पर पुलिस ने मिथिलेश यादव, दिवाकर यादव और उनके अन्य समर्थकों सहित कुल 16 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। स्थानीय प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और पुलिस लगातार निगरानी एवं गश्त कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को देखते हुए ऐसे घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस की सतर्कता और सुरक्षा बलों की तैनाती को और मजबूत किया जा रहा है।

बिहार : बागमती नदी पर पक्की सड़क बनाने की योजना को मिली हरी झंडी

- खर्च किए जाएंगे कुल 139 करोड़

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगातार तेजी से कदम उठा रही है। इसी कड़ी में अब शिवहर जिले में बागमती नदी के तटबंध पर 38 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क बनाने की योजना को हरी झंडी मिल चुकी है। यह सड़क देवापुर से बेलवा घाट तक बनेगी जो कि पूर्वी चंपारण की सीमा से सटा हुआ इलाका है। कुल 139 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क साढ़े पांच मीटर चौड़ी होगी। विभाग के कार्यपालक अभियंता एस.

रहमान के मुताबिक टेंडर प्रक्रिया में छह एजेंसियों ने हिस्सा लिया था और अब एजेंसी चयन का काम अंतिम चरण में है। बेलवा क्षेत्र में पहले से ही हेड रेगुलेटर, स्लुइस गेट और तटबंध का निर्माण चल रहा है, वह भी इसी परियोजना का हिस्सा है। यह पक्की सड़क आवागमन को आसान बनाएगी और बाढ़ के मौसम में लोगों की मुश्किलें कम कर देगी। अभी तक नदी किनारे के गांवों में रहने वाले लोग खेतों के रास्ते से गुजरते हैं जो कि बारिश में कीचड़ के कारण और खतरनाक हो जाते हैं। बाढ़ आने पर तो पार करना नामुमकिन सा ही लगता है। अब इस नई सड़क से इमरजेंसी में राहत सामग्री पहुंचाना भी सुगम हो जाएगा। साथ ही तटबंध की मजबूती भी बढ़ेगी, जिससे पानी के दबाव से टूटने का डर कम होगा। भविष्य में इसे एसएच-54 से जोड़ने की योजना है। जिससे मोतिहारी, ढाका और शिवहर के बीच कनेक्टिविटी में जबरदस्त सुधार आएगा। स्थानीय लोग सालों से इसकी मांग कर रहे थे और अब यह सपना साकार होने की कगार पर है। निर्माण का काम कब शुरू होगा, इस सवाल का जवाब चुनावी माहौल से जुड़ा हुआ है। बिहार विधानसभा चुनावों के बाद काम जोर-शोर से शुरू होने की उम्मीद है। विभाग का लक्ष्य है कि तय समयसीमा में गुणवत्ता वाली सड़क तैयार हो जाए। इससे पहले सीतामढ़ी और शिवहर में बागमती परियोजना के तहत 234 करोड़ की लागत से 33 किलोमीटर बांध और सड़क पर काम तेज हो चुका है, यह 42 गांवों को बाढ़ से बचाने में मदद करेगा। इसी तरह फरवरी में 286 करोड़ की मंजूरी से टूटे तटबंधों की मरम्मत हुई थी। ये सभी प्रोजेक्ट्स मिलकर बागमती बेसिन को मजबूत बना रहे हैं।

कटिहार में सोशल मीडिया पर हथियार लहराना पड़ गया महंगा, पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार

एजेंसी। कटिहार

सोशल मीडिया पर हथियार का प्रदर्शन करना एक शख्स को महंगा पड़ गया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को धड़ दबोचा। गिरफ्तार आरोपी कृष्ण कुमार की पहचान कटिहार जिले के बरारी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 5 बारनगर निवासी मदन चौधरी का बेटे के रूप में हुई है।बरारी थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियार का प्रदर्शन करने वाले कृष्ण कुमार को गिरफ्तार किया और उसके पास से 2 लोहे का पिस्टल, 1 तलवार, 1 लोहे का पंच और 3 खोखा बरामद किया है। दरअसल बरारी थानाध्यक्ष को यह गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर हथियार का प्रदर्शन करते हुए वीडियो/फोटो बनाया गया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उक्त सूचना के आलोक में तत्काल सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम के द्वारा ग्राम बारीनगर वार्ड नंबर-05 में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान सोशल मीडिया पर हथियार का लहराने वाले कृष्ण कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उक्त व्यक्ति को जेल भेजा गया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सुभाषितम्

जिसमें दया नहीं है, वह तो जीते जी ही मुर्दे के समान है। दूसरे का भला करने से ही अपना भला होता है. - अज्ञात

एआई की लहर में खत्म होती नौकरियां तकनीक वरदान या विनाश?

अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तेज रफ्तार ने टेक उद्योग की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। बड़ी आईटी कंपनियाँ अब ऐसे दौर में पहुँच चुकी हैं, जहाँ मशीनें इंसानों से कहीं ज्यादा तेज, सटीक और सस्ती साबित हो रही हैं। जो प्रोजेक्ट पहले किसी इंजीनियर को दो साल पूरे करने में लगते थे, अब एआई से उन्हें महज 20-30 दिनों में पूरा हो रहे हैं। कंपनियों के लिए यह तकनीकी एक क्रांति की तरह है। यह एक वरदान भी है, जो सोचते हैं उसे कुछ ही समय में पूरा कर लेते हैं। उत्पादकता बढ़ी है, लागत घट गई है। मानव संसाधन जिसमें इंजीनियरों और कर्मचारियों की एक बड़ी फौज काम करती थी, उनके लिए यह बदलाव किसी डरावने सपने के साकार होने की तरह है। अमेरिका में इसका असर दिखना शुरू हो गया है। अमेरिका की दिग्गज कंपनियाँ मानव संसाधन का ह्यरी-स्ट्रक्चरिंगह्न कर ह्यएआई एडॉप्शनह्न के नाम पर कर्मचारियों से इस्तीफा लेकर उन्हें नौकरी से हटा रही हैं। जिनकी सेवा अवधि 10 साल से कम है। उन्हें तीन महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। वहीं, पुराने कर्मचारियों को 18 महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। यह एक तरह की गुपचुप छंटनी है। जिसमें कंपनियाँ ह्यटर्मिनेशनह्न शब्द से बचते हुए बदलाव का नाम देकर हजारों नौकरियाँ को खत्म कर रही हैं। इससे अमेरिका जैसे देश में जहां एच-1वीजा लेकर जो लाखों लोग काम कर रहे हैं, उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से वीजा पर शुल्क लगा रहे हैं, बार-बार नियम बदल रहे हैं, उसे अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के लिए एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई बताया जा रहा है। यह लहर अब भारत पहुँच चुकी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इन्फोसिस, विप्रो और एक्सेंचर जैसी कंपनियाँ भी ह्यएआई स्किलिंगह्न के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी दबे-छुपे तरीके से कर रही हैं। टीसीएस में इंजीनियरों को एआई और मशीन लर्निंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जो इस नए दौर की परीक्षा में पास नहीं होते हैं, उन्हें कंपनी से बाहर निकालने की तैयारी तरह-तरह से की जा रही है। जो कर्मचारी वर्तमान तकनीकी पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें सुनयोजित तरीके से कंपनी से बाहर निकालने के लिए तरह-तरह के प्रयास शुरू हो गए हैं। भारत में भी जल्द ही बड़े पैमाने पर इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। सरकार और दूसरे संगठनों द्वारा लगातार एआई को प्रमोट किया जा रहा है। जैसे-जैसे एआई में काम बढ़ता जाएगा, मानव संसाधन कम होता चला जाएगा। इसका अगला कदम इस्तीफा और छटनी के रूप में भारत में भी शुरू हो चुका है। कर्मचारियों के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। जहाँ बिना किसी स्पष्ट कारण के इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया है। यह एक व्यक्ति या एक परिवार के लिए संकट नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक चुनौती बनकर सामने आ गया है। बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई और हैदराबाद जैसे आईटी हब में बड़े पैमाने पर हजारों लोगों की नौकरियाँ जाती दिख रही हैं। तो उसका असर रियल एस्टेट, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और स्थानीय व्यवसायों तक पहुंचेगा जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार होंगे। यह सच है, एआई के जरिए कंपनियाँ अधिक कुशल हो रही हैं। यह भी उतना ही सच है, इससे मानव श्रम का महत्व तेजी से घट रहा है। आने वाले वर्षों में गिने चुने वही इंजीनियर और कर्मचारी मैदान में टिक पाएँगे जो खुद को एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से लैस करेंगे। अब डिग्री और पिछले वर्षों के अनुभव का कोई महत्व नहीं रह गया है। सब काम सॉफ्टवेयर और मशीन करने लगी हैं। इसका असर सारी दुनिया में पड़ना शुरू हो गया है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेश्वर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निर्गुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

- ललित गर्ग

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर जोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों। यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए

थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालांकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम ह्यसहयोगह्न है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को ह्यसतत विकास लक्ष्यः लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानकीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है। विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। इसका उदाहरण है अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि विश्व व्यापार संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है। विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाजे बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि जो विश्व पहले एक साझा बाजार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से सीमाओं और अविश्वास की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवस यह सन्देश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं बल्कि मानकीकरण है। मानक देशों को एक साझा धरातल प्रदान करते हैं, जहाँ उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा का विश्वास इतना मजबूत होता है कि किसी अतिरिक्त शुल्क या रोक की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मानकीकरण दरअसल विश्वास का पुल है जो सीमाओं के आर-पार लोगों, वस्तुओं और विचारों को जोड़ता है। जब एक देश दूसरे देश के मानकों को स्वीकार करता है, तो यह आपसी सम्मान और पारदर्शिता का प्रतीक होता है। इसी प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सरलता आती है, सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी मिलती है और उपभोक्ता हित सुरक्षित रहते हैं। मानकीकरण की यह प्रक्रिया न केवल औद्योगिक या व्यापारिक है बल्कि यह मानवीय भी है। इसके मूल में समानता, निष्पक्षता और सहयोग की भावना निहित है। यह वह दर्शन है जो कहता है कि विश्व एक परिवार है और सबकी भलाई में ही अपनी भलाई है। अतः जब कोई राष्ट्र टैरिफ या प्रतिबंधों की दीवार खड़ी करता है, तो वह इस वैश्विक परिवार के बीच विभाजन की रेखा खींचता है। मानक उन रेखाओं को मिटाते हैं और संबंधों को जोड़ते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि मानकीकरण केवल औद्योगिक मंच तक सीमित न रहे, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय नीति का भी आधार बने। विश्व के सभी देश मानकों के निर्धारण में समान भागीदारी करें ताकि कोई भी राष्ट्र या कंपनी इस प्रक्रिया पर वर्चस्व न जमा सके। छोटे और विकासशील देशों को भी अंतरराष्ट्रीय मानक संस्थाओं में समान अवसर मिले ताकि वे अपने उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से वैश्विक व्यापार में समान रूप से शामिल हो सकें। इसके साथ ही प्रमाणन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना आवश्यक है ताकि छोटे उद्योग भी मानक के अनुरूप अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। विश्व मानक दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानवता की प्रगति केवल आर्थिक शक्ति में नहीं बल्कि उस सहयोग और विश्वास में है जो मानकीकरण के माध्यम से संभव होता है। अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ जैसी नीतियाँ क्षणिक राजनीतिक लाभ तो दे सकती हैं, पर वे विश्व के सम्मिलित विकास और आपसी विश्वास को नष्ट करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि सभी राष्ट्र मानकीकरण की भावना को अपनाएँ और विश्व व्यापार को किसी प्रतिस्पर्धा या प्रतिशोध का माध्यम न बनाकर साझेदारी और साझा उन्नति का माध्यम बनाएँ।

राग स्वदेशीः हकीकत और फंसाना

- तनवीर जाफरी

हमारे देश में स्वदेशी उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिये प्रायः आवाज बुलंद की जाती है। भारत में स्वदेशी सामानों के इस्तेमाल पर जोर इसलिए दिया जाता है क्योंकि इससे देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से कई महत्वपूर्ण लाभ होते हैं। देश में स्वदेशी सामान की खपत से स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन बढ़ता है, जिससे स्थानीय उद्योगों को बल मिलता है। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं और बेरोजगारी की समस्या कम होती है। इसके अतिरिक्त विदेशी उत्पाद पर निर्भरता भी कम होती है। इसीलिये कभी सरकार की तरफ से देश को आत्मनिर्भर बनाने के मकसद से स्वदेशी अपनाने के बारे में देश को जागृत करने के प्रयास किये जाते हैं तो कभी स्वदेशी उत्पादों के नाम पर अपना व्यवसाय चलाने वाले भी स्वदेशी अपनाओ की बातें करते नजर आते हैं। परन्तु क्या वजह है कि हम तो स्वदेशी का राग ही अलापते रह जाते हैं उधर पड़ोसी देश चीन का बड़े भारतीय बाजार पर कब्जा हो जाता है ? चीन निर्मित शायद ही कोई ऐसा जीवनोपयोगी उत्पाद हो जिसकी भरपूर खपत भारत में न होती हो। परन्तु हमारे देश में स्वदेशी अपनाओ का शोर तो ज्यादा सुनाई देता है परन्तु उसकी गुणवत्ता सुधारने या उचित कीमत में आकर्षक,टिकाऊ व योग्य वस्तु का उत्पादन करने पर जोर कम दिया जाता है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई प्रमुख अवसरों पर आत्मनिर्भर भारत बनाने हेतु स्वदेशी अपनाने के संबंध में जनता से अपील कर चुके हैं। वे दुकानों को स्वदेशी वस्तुओं से सजाने और भारतीय उत्पादों को गर्व

से उपयोग करने के लिए नागरिकों को प्रेरित करते रहते हैं। प्रधानमंत्री का मानना है कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब भारतीय सामान वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बनाएं और प्रत्येक नागरिक स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल पर गर्व महसूस करे। इसीलिये प्रधानमंत्री अक्सर वोकल फॉर लोकल की बात करते सुने जाते हैं जिसमें स्थानीय बाजार और उत्पादों को बढ़ावा देने पर बल दिया जाता है। निःसंदेह भारत की आत्मनिर्भरता का मार्ग तभी मजबूत होगा जब देशवासी अपने उत्पादन, तकनीक और नवाचार में स्वदेशी को प्राथमिकता दें। विदेशी वस्तुओं की जगह देसी उत्पाद को पहचान और सम्मान देना आज के दौर में राष्ट्रीय हित, सुरक्षा और आर्थिक मजजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। परन्तु सवाल यह है कि भारतवासियों के लिये स्वदेशी उत्पाद बनाने वाली कंपनियां या उद्योग अपने आप में कितने विश्वसनीय हैं ? क्या वजह है कि देश के लोगों को भारतीय उत्पाद की तुलना में अनेक विदेशी उत्पाद ज्यादा पसंद आते हैं। कई विपक्षी नेता तो यहां तक कहते हैं कि स्वदेशी अपनाने का पाठ पढ़ने वाले प्रधानमंत्री स्वयं विमान से लेकर मोबाईल फोन,पेन,चश्मा व घड़ी आदि सब कुछ विदेशी प्रयोग करते हैं? स्वदेशी उत्पाद बनाने व बेचने वाले रामदेव भी पूरे देश को स्वदेशी अपनाने की शिक्षा देते रहते हैं। परन्तु अनेक बार उनके उत्पाद मिलावटी या निर्धारित मानकों के प्रतिकूल पाए गये हैं। सेना सहित कई प्रमुख जगहों से पतंजली के उत्पाद हटाये जा चुके हैं। कई बार उनके उत्पाद गुणवत्ता के मानक पर खरे नहीं उतरे। ऐसे में स्वदेशी उत्पाद की विश्वसनीयता पर सवाल तो उठेगा ही? इसी तरह पिछले दिनों तमिलनाडु में बने कोल्ड्रिफ नामक कोल्ड सीरप ने देशभर में हंगामा खड़ा कर दिया। इस सिरप के पीने से अब तक मध्य प्रदेश, राजस्थान, केरल, और अन्य राज्यों के 26 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। यह मामला भारत में स्वास्थ्य और दवा सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है। तमिलनाडु की श्रीसन फार्मास्युटिकल कंपनी द्वारा निर्मित इस विषाक्त सीरप के सेवन से अनेक बच्चों की किडनी फेल हो गयी और कई बच्चों की मौत हो गई। 14 वर्षों से निमार्णाधीन यही सीरप आखिरकार रिक्तियों, नियमों के उल्लंघनों और मिलावट के कारण अपनी गुणवत्ता पर खरा नहीं उतरा और जहरीला साबित हुआ। क्या इस तरह की घटना भारत की दवा सुरक्षा प्रणाली की गंभीर चूक का संकेत नहीं है? निश्चित रूप से इस जहरीली दवा के निर्माण मं मानकों का उल्लंघन हुआ, और इसे कई वर्षों तक बिना उचित निगरानी के बाजार में फैलने दिया गया। बेशक सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है और दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने की बात भी की है परन्तु जिनके घरों के चिराग बुझ गये न तो उन्हें वापस लाया जा सकता है न ही उनपरिवारों को स्वदेशी उत्पाद पर भरोसा करने का पाठ पढ़ाया जा सकता है। आज पूरे देश में सरे आम जहरीली सब्जियां,विषाक्त फल, मिलावटी व जहरीले दूध,पनीर घी मक्खन खोया कुट्टू का जहरीला आटा आदि तमाम चीजें बेचीं जा रही हैं। दूध की तो रोज के उत्पादन से कई गुना अधिक की खपत है, सरकार व प्रशासन को भी यह सब पता है परन्तु मिलावट खोर मौत के सौदागर सरे आम ऐसी जहरीली सामग्री बाजार में खपा रहे हैं। तमाम नकली दवाइयां बाजार में बेचीं जा रही हैं। इसी तरह मिलावटी व जहरीली मिठाइयां व बेकरी के सामान बाजार में बेखौफ बिकते हैं। बाजार में इन सब चीजों की खपत का मुख्य कारण भ्रष्टाचार है। इन मौत के सौदागरों को भली भांति मालूम है कि उनके काले करतूतों का पर्दा फाश होने के बावजूद उनका कुछ भी बिगड़ने वाला नहीं। केवल गुणवत्ता का ही प्रश्न नहीं बल्कि मिठाई वाला यदि आपको एक या दो हजार रुपए किलो मूल्य की मिठाई देता है तो वह गत्ते के डिब्बे को भी उसी रेट में तोल देता है। यानी आपको मंहगी कीमत अदा करने के बावजूद पूरा सामन नहीं मिल पाता।

मायावती की मेघा रैली में शक्ति प्रदर्शन से अखिलेश के उड़ गए होंश

- कांतिलाल मांडोत

लखनऊ में मायावती ने नौ साल बाद जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया।पांच लाख की जनमेदनी ने समाजवादी पार्टी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया।हाथी की मस्त चाल से सियासत गरमा गई है।उत्तरप्रदेश के साथ बिहार में हलचल तेज हो गई है।उत्तरप्रदेश विधानसभा में मिली करारी शिकस्त के बाद करीब नौ साल के बाद यह पहली विशाल रैली निकालकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की आवाज सुनकर कार्यकर्ता फुले नही समाए।उत्तरप्रदेश में हार का कारण का पता लगाने की जगह मायावती ने अनर्गल बयान दिया।परंतु मायावती को आत्ममंथन की आवश्यकता थी।मायावती की पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगा दिया था।लखनऊ में पार्टी सम्मेलन में पांच लाख की जनमेदनी देखकर मायावती ने कहा कि इनको बुलाया नही गया है।इतने लोग स्वयं चलकर अपनी मर्जी से पार्टी सम्मेलन का हिस्सा बने है। मायावती ने भाजपा और समाजवादी दोनो पर निशान साधते हुए बहुजन समाज एकता और राजनैतिक पुनरुत्थान का बिगुल फूंका।मायावती हर समय अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहती है।मायावती की साख में उनकी पार्टी के पतन के साथ ही कमी महसूस की गई है।मायावती और बसपा की रणनीति का हिस्सा रहा है।दलितों को अपनी मुट्ठी में समझने वाली मायावती ने अपनी पार्टी का सिम्बोल हाथी का स्टेच्यू लखनऊ आदि शहरों में लगवा दिया था।मायावती की उड़ान मन्द पड़ गई है।अब मायावती की झोली खाली है।दलितों को बराबरी का सपना दिखाने वाली मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचने वाली मायावती का मंसूबा प्रधानमंत्री बनने का था।मायावती का सपना तो पूरा नही हुआ,पर अब तक अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती उसके सामने है। मायावती की हार का असली कारणों और मुद्दों को दरकिनार करके स्वर्ण और सतारूढ़ दल पर अनर्गल आरोप लगाकर राजनीति जमीन तैयार करना बसपा की रणनीति रही है।चार दशक पहले बहुजन समाजपार्टी जिन मुद्दों,नारो,रणनीति, सामाजिक समीकरण और सेना के सहारे संसदीय रणनीति में उतरी थी,आज भी उसी के सहारे खड़ी है।जबकि सच्चाई यह है कि चार दशक में देश और प्रदेश की राजनीति और समाज मे ढेर सारे परिवर्तन हो चुके है।लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ओमप्रकाश चौटाला, मायावती आदि दर्जनभर नाम पीएम की पहली पंक्ति में थे।लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी के विकास को देखकर ये नेता प्रधानमंत्री बनने का विचार छोड़ दिया।इन नेताओं ने कहा कि मोदी सुपर है।इनके जैसा कार्य हमसे नही हो सकता है।मायावती के सपने मोदी के बाद झूलते नजर आए।दलित और अति पिछड़े समाज में भी अधिक और शैक्षणिक उन्नति हुई है।लेकिन मायावती ने अपनी रणनीति में कोई ठोस बदलाव नहीं किया है।जो बदलाव किए है उसे महज सत्ता पाने तक सीमित रखा।पार्टी और संगठन के आंतरिक ढांचे में उन परिवर्तनों का कोई असर नही पड़ा।आज भी मायावती के मन मे विकास की कोई धारणा नही है।विपक्ष पर निशान साधते हुए कांशीराम के बनाये स्मारकों के रखरखाव पर विपक्ष को घेरती नजर आई।सपा ने स्मारकों और पार्कों की हालत खराब कर दी है।लेकिन भाजपा की तारीफ करते हुए कहा कि इनकी सरकार ने मरम्मत कराई ।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन सौभाग्य लेकर आया है। इस दौरान पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा।	**तुला** आज का दिन शुभ रहेगा। संपत्ति में वृद्धि की संभावना बन रही है।
वृषभ आर्थिक दृष्टि से व्यस्त रहने वाला है। भागदौड़ के बीच आपको अपनी सेहत का अधिक ख्याल रखना होगा।	**वृश्चिक** मन थोड़ा अशांत रह सकता है। व्यापारिक कार्यों में अड़चनें आएंगी।
मिथुन फिजूलखर्ची से बचकर रहना होगा। पीड़ित लोगों को स्वास्थ्य का अधिक ख्याल रखना होगा।	**धनु** धार्मिक कार्यों में बीतेगा। किसी धार्मिक अनुष्ठान या सामाजिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिलेगा।
कर्क दिन भाग्य का साथ मिलता नजर आ रहा है। उचित फल मिलेगा और समाज में सम्मान बढ़ेगा।	**मकर** नए सप्ताह की शुरुआत से पहले ही दिन आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है।
सिंह दिन मिश्रित फल देने वाला रहेगा। मानसिक अशांति के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ सकती है।	**कुंभ** आज कुंभ राशि के जातकों का दिन आर्थिक दृष्टि से सावधानी रखने वाला होगा।
कन्या आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। कठिन से कठिन कार्य भी आज के दिन आसानी से पूरे हो जाएंगे।	**मीन** भाव में गुरु की स्थिति से लंबे समय से अटकी संतान संबंधी समस्या का समाधान करेगी।

विशेष

सांसदों की लॉटरी खुली पत्रकार प्रतीक्षा में

राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री के साथ सांसद और पत्रकारों को विदेश यात्रा में ले जाया जाता था। 2014 से यह प्रथा बंद हो गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जरूर सांसदों के प्रतिनिधि मंडलों को विदेश में भेजा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने साथ सांसदों और पत्रकारों को विदेश यात्रा में नहीं ले जाते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पहली बार सांसदों के 2 प्रतिनिधि मंडल न्यूयॉर्क महासभा की बैठक में भाग लेने भेजा गया है। एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भाजपा के सांसद पीपी चौधरी कर रहे हैं। दूसरे प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व डी पुरनंदेश्वरी देवी कर रही हैं। दोनों प्रतिनिधि मंडल में 15 सांसद शामिल हैं। जो 8 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक विदेश यात्रा में रहेंगे।

केरल की मतदाता सूची पुनरीक्षण में कटेंगे 1 करोड़ वोट?

केंद्रीय चुनाव आयोग बिहार की एसआईआर के बाद जिन पांच राज्यों में पुनरीक्षण करने जा रहा है। उनमें पश्चिम बंगाल और केरल भी शामिल है। केरल में कांग्रेस को अपने वोट बैंक की चिंता सता रही है। सूत्रों की माने, तो कांग्रेस को डर है, एक करोड़ वोट काटे जा सकते हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने ऐलान कर दिया है। यहां पर एसआईआर नहीं होगी। यदि जबरदस्ती की जाएगी, तो यहां पर दंगे होंगे। केरल विधान सभा ने सघन मतदाता पुनरीक्षण नहीं कराने का प्रस्ताव पारित किया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1661: विलियम के नेतृत्व में नारमैन्स ने हेस्टिंग्स की लड़ाई में ब्रिटिश फौजों को शिकस्त दी। 1813: बावरिया ने फ्रांस के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1861: नेपोलियन बोनापार्ट ने प्रसियाई फौजों को जेना में शिकस्त दी। 1931: फिनलैंड में फासिस्टों की सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश नाकाम हो गई। 1933: जर्मनी निरस्त्रीकरण सम्मेलन औप लीग ऑफ नेशंस से अलग हुआ। 1936: बेल्जियम ने फ्रांस से सैन्य गठबंधन तोड़ लिया। १९३९: द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश युद्धपोत रायल ओक 81 व्यक्तियों सहित डूबो दिया गया। 1944: द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश और यूनानी सैनिकों ने एथेंस को मुक्त कराया। 1955: पश्चिम पाकिस्तान प्रांत अस्तित्व में आया। 1956: डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की। 1968: अपोलो-7 से पहली बार टेलीविजन प्रसारण किया गया।

दैनिक पंचांग

अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

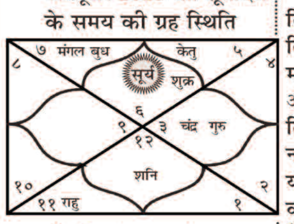

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.15 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	08.29 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.45 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.50 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.37 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.10 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.40 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.20 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.18 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.32 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	01.48 बजे से
बजे तक		कन्या	04.00 बजे से

2025 वर्ष का 287 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 11.10 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 11.55 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 04.11 बजे प्रात: को समाप्त।
करण कौलव 11.10 बजे तदनन्तर तैतिल 22.47 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 09'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872497
जूलियन दिन 2460962.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी
तारीख 21

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

अनगड़ा सीओ और कर्मचारियों को शो-कॉज, बीमार बच्ची का आयुष्मान से शुरू हुआ इलाज

रांची, एजेंसी। चार दिन से मेरी बेटी ने कुछ खाया नहीं है सर, वो तड़प रही है, उसे बचा लीजिये सर प्लीज, आपके दरवाजे से सब खुशी-खुशी लौटते हैं, मेरी बच्ची को बचा लीजिए सर। मैंने अपने जेवर बेचकर अब तक बच्ची का इलाज करवाया है, सर प्लीज। डीसी के जनता दरबार में पहुंची वीणा देवी ने फरियाद लगाई। मां की फरियाद पर डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने तुरंत सिविल सर्जन से बात की। सिविल सर्जन द्वारा बताया गया कि बताया गया कि बच्ची का इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत संभव है। उपायुक्त के निर्देश पर तुरंत आयुष्मान कार्ड बनवाकर बच्ची के इलाज की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इसी तरह से अनगड़ा प्रखंड के हेसल पंचायत की मुखिया द्वारा बार-बार आवेदन देने के बाद भी खाता संख्या में सुधार की शिकायत पर डीसी ने अनगड़ा सीओ और कर्मचारियों को शो-कॉज करने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में मांडर के बंझिला टोला से आयी महिलाओं ने मंईयां सम्मान योजना को लेकर सेविका पर सत्यापन में गड़बड़ी और शिकायत नहीं करने के एवज में पैसे का ऑफर करने के आरोप में डीसी ने पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को सेविका को शो-कॉज करने का निर्देश दिया। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को सभी संबंधित मामलों की जांच कर निष्पादन करने का आदेश दिया। डीसी ने सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को जांच कर निष्पादन का निर्देश दिया गया। बुंडू प्रखंड के तैमारा निवासी छात्र अनुज कुमार रूंडा ने दसवीं की परीक्षा फॉर्म भरने में जन्म तिथि छह महीने कम होने पर जन्म प्रमाण पत्र रद्द करने का आवेदन दिया गया। छात्र की एकेडमिक रिकार्ड की जानकारी पिता द्वारा लेते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि विशेष मामलों में निर्धारित आयु सीमा से कम होने पर अनुमति संभव है, इस संबंध में झारखंड अधिविद्य परिषद से अनुमति प्राप्त करने की कार्यवाही की जाएगी। पिठोरिया थाना क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि उसका पति दूसरी शादी कर चुका है और उसे घर से निकाल दिया गया है, इस संबंध में थाने में भी शिकायत करने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि महिला और उसके पिता पर झूठा केस भी दर्ज करा दिया गया। मामले पर डीसी ने चौकीदार का वेतन रोकने का निर्देश दिया गया। राहे प्रखंड निवासी एक युवक द्वारा भाई की मृत्यु के बाद प्रमाण पत्र नहीं बनने की शिकायत की गई। डीसी ने जिला सांख्यिकी पदाधिकारी को बुलाकर युवक को उचित दिशा निर्देश और आवेदन की जानकारी देने को कहा गया।

डीजीपी की बैठक, दिपावली और छठ के दौरान सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की

रांची, एजेंसी। आगामी दिपावली और छठ महापर्व के मद्देनजर झारखंड पुलिस ने राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध रोकथाम के लिए व्यापक तैयारियों की समीक्षा की। झारखंड पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय रांची में बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारी भी शामिल हुए। पुलिस महानिदेशक ने सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान प्रत्येक जिले में नियंत्रण कक्ष में 24×7 पुलिस अधिकारी एवं बल तैनात किया जाए। उन्होंने चोरी और छिनतई जैसी घटनाओं पर नियंत्रण रखने के लिए बाजार क्षेत्रों में नियमित गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया। दिपावली के अवसर पर संवेदनशील स्थानों पर अग्निशमन वाहनों की तैनाती, छठ घाटों जैसे नदी, तालाब और डैम क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और भीड़-भाड़ वाले स्थानों में सादे लिवास में पुलिस बल तैनात करना भी अनिवार्य बताया गया। इस बैठक में अवैध शराब और ड्रग्स के कारोबार में शामिल अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी पुलिस अधीक्षकों को जिले में चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ नियमित समन्वय स्थापित करने और प्रत्येक माह पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा संबंधित समस्याओं का समाधान करने को कहा गया। पुलिस महानिदेशक ने रिहायसी इलाकों में आवासीय कल्याण समितियों के गठन पर भी बल दिया। उन्होंने चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों को अपने मकान, कार्यालय और प्रतिष्ठानों में कार्यरत निजी कर्मियों का सत्यापन करने और सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा शहर के भीड़-भाड़ वाले स्थानों, एटीएम के बाहर, बैंक और वाहन पार्किंग क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक पटेल मयुर कनैयालाल, पुलिस उप-महानिरीक्षक मनोज रतन और कोल्हान के पुलिस उप-महानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा भी उपस्थित रहे। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज रांची के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बंगड़, सचिव रोहित अग्रवाल, संयुक्त सचिव नवजोत अलंग रूबल और रोहित पोद्दार के साथ कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने भी बैठक में भाग लिया।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्षों ने भी हिस्सा लिया।

मंत्री ने शुरू की अपने विभागों की गहन समीक्षा

कृषि एवं उद्यान विभाग की हुई बैठक !

रांची, एजेंसी। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने नेपाल हॉउस मंत्रालय में आज से अपने विभागों की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक शुरू की. समीक्षा बैठक के पहले दिन कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कृषि और उद्यानिकी विभाग की गहन समीक्षा बैठक की गयी. कृषि निदेशक भोर सिंह यादव और उद्यानिकी निदेशक माधवी मिश्रा की उपस्थिति में हुई मैराथन समीक्षा बैठक में कृषिमंत्री ने कई निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं की गति बढ़ाना और लाभुकों के घर योजनाएं पहुंचे. यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

'100 गांव का होगा एक क्लस्टर, खास फसल के लिए जाना जाएगा क्लस्टर' : इस समीक्षा बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने झारखंड में रबी फसल के बीज वितरण का कार्य क्लस्टर के फार्मूले पर करने का निर्देश दिया. मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि 80 से 100 गांव को मिलाकर कर कलस्टर निर्माण करें और हर एक क्लस्टर को किसी खास फसल की पहचान के तौर पर विकसित करें.

नेपाल हाउस में कृषि एवं उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत 100 प्रतिशत अनुदान पर बीज का वितरण किया जाएगा. इस दौरान विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी लेते हुए कृषि मंत्री ने योजनाओं की रफ्तार बढ़ाने के साथ साथ समय पर लाभुक को योजना का लाभ दिलाने की बात कही. रबी फसल को लेकर विशेष रूप से तैयारी करने का निर्देश भी इस दौरान अधिकारियों को दिया.

पंचायत स्तर पर गोष्ठी का होगा आयोजन : कृषि मंत्री ने दलहन और तिलहन फसल को लेकर किसानों के बीच जागरुकता, गोष्ठी का आयोजन, किसानों के लिए प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाली गोष्ठी इस बार पंचायत स्तर पर आयोजित करने के भी निर्देश दिए. संगोष्ठि का उद्देश्य गांव के लोगों को विभाग की योजनाओं को लेकर जागरूक करना है. इसके साथ ही नवंबर माह में रांची में राज्य स्तरीय कृषि व्यापार मेला आयोजित करने पर सहमति बनी है. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मेला की सफलता को लेकर अधिकारियों को विशेष जिम्मेदीरी भी दी.

इस समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस साल अच्छी बारिश के बाद धान की अच्छी फसल होने की पूरी संभावना है. खेतों में लगे धान की फसल कटने के साथ रबी फसल के लिए जिला स्तर पर मिलने वाले डिमांड के अनुरूप बीज उपलब्ध कराए जाएंगे.

इस समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव अबू बकर सिद्दिकी, विशेष सचिव गोपाल तिवारी, विशेष सचिव प्रदीप हजारी, कृषि निदेशक भोर सिंह यादव, उद्यान निदेशक माधवी मिश्रा, समेति निदेशक विकास कुमार भी उपस्थित रहे.

नक्सलियों ने पश्चिमी सिंहभूम में मोबाइल टावर फूंका:मोबाइल सेवा ठप

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा थाना क्षेत्र स्थित बहदा गांव में सोमवार देर रात नक्सलियों ने दहशत फैला दी। भाकपा (माओवादी) के करीब दर्जनभर हथियारबंद नक्सली 13 और 14 अक्टूबर की दरमियानी रात गांव में पहुंचे और मोबाइल टावर को आग के हवाले कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, नक्सलियों ने पहले लोगों को घरों से बाहर न निकलने की चेतावनी दी, फिर टावर परिसर में रखे पैनल और बैटरी उपकरणों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। कुछ ही देर में पूरा टावर धधक उठा।रात करीब एक बजे तक धमाकों की आवाजें गूंजती रहीं, जिससे पूरा गांव भयभीत हो गया।

घटना स्थल पर नक्सलियों ने कई पोस्टर और पर्चे छोड़े हैं, जिनमें उन्होंने अपने मारे गए साथियों का बदला लेने की धमकी दी है। पोस्टरों में ऑपरेशन कगार के विरोध में 8 से 14 अक्टूबर तक 'प्रतिशोध सप्ताह' मनाने की घोषणा की गई है। साथ ही 15 अक्टूबर को झारखंड, बिहार, उत्तरी छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और असम में बड़ी कार्रवाई करने का आह्वान किया गया है। नक्सलियों का यह संदेश मिलने के बाद आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों ने बताया कि जिस आत्मविश्वास के साथ नक्सली डेढ़ घंटे तक गांव में रहे, उससे साफ है कि वे पुलिस से तनिक भी नहीं डरते।

टावर जलने से बहदा और आसपास के क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह बंद हो गया है। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। मोबाइल कॉल, यूपीआई भुगतान, बैंकिंग कार्य और बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई जैसी आवश्यक सेवाएं ठप हो गई हैं।

लातेहार में हाथियों ने वृद्ध को पटक कर मार डाला

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के बारियातू थाना क्षेत्र के डाढ़ा पंचायत स्थित कटईटोला गांव में सोमवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने भारी तबाही मचाई। हाथियों ने 61 वर्षीय मधवा उरांव को पटक कर मार डाला। परिजनों के अनुसार, देर रात करीब 12 बजे दस से अधिक हाथियों का झुंड गांव में दाखिल हुआ।

हाथियों के आने से घर के बाहर बंधे जानवर डरकर रस्सी तोड़कर भाग गए। मृतक मधवा उरांव इन्हीं जानवरों को पकड़ने गए। उन्होंने टॉर्च की रोशनी में उन्हें खोजने की कोशिश की। इसी बीच हाथियों ने रोशनी देखकर उन पर हमला कर दिया। पटक-पटक कर जान ले ली।

फसल और संपत्ति को पहुंचाया भारी नुकसान

हाथियों के झुंड ने गांव में सिर्फ जान नहीं ली, बल्कि संपत्ति और फसल को भी बर्बाद कर दिया। मृतक मधवा उरांव के पुत्र महेंद्र उरांव और उपेंद्र उरांव ने बताया कि उनके करीब पांच एकड़ में लगी धान और मक्का की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। इसके अलावा साधना उरांव का घर भी हाथियों ने तोड़ दिया। जिससे लगभग तीन लाख रुपए का नुकसान हुआ। ग्रामीणों ने ढोल और मशाल जैसी पारंपरिक विधियों से हाथियों को गांव से बाहर खदेड़ने का प्रयास किया।

वन विभाग ने तुरंत दिया मुआवजा

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रेंजर नंदकुमार महतो ने बताया कि मृतक के परिजनों को तत्काल 40 हजार रुपए की सहायता राशि दी गई है। सरकारी प्रावधानों के तहत शेष तीन लाख साठ हजार रुपए का मुआवजा भी दिया जाएगा। रेंजर नंदकुमार महतो ने कहा कि विभाग लगातार हाथियों को इस क्षेत्र से भगाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन वे एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में चले जाते हैं। इसके साथ ही ग्रामीणों के बीच टॉर्च और अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

पुलिस ने शव भेजा पोस्टमॉर्टम के लिए

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। ग्रामीण अब भी भय में हैं। इस बीच वन विभाग और पुलिस लगातार इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे हैं, ताकि जंगली हाथियों से होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

खेती में आधुनिक सोच से सब्जियों का उत्पादन बढ़ा, आय तीन गुनी हुई

बोकारो, एजेंसी। मैंने पढ़ाई पूरी करने के बाद खेती को ही अपना मुख्य पेशा बनाया। पहले पारंपरिक खेती करता था, लेकिन उससे आमदनी न के बराबर होती थी। राज्य सरकार की मदद और आदर्श ग्राम सेवा समिति, नावाडीह से मिले प्रशिक्षण ने मेरी खेती की दिशा बदल दी। मैंने मल्चिंग सिस्टम प्लास्टिक लगाया जिससे खरपतवार की समस्या से छुटकारा मिला और फसल बेहतर हुई।

वहीं ड्रिप सिस्टम से फसल में जरूरत के अनुसार ही पानी जाता है, जिससे पैदावार और गुणवत्ता दोनों बढ़ी। गर्मी में मचान पद्धति से करेला और कद्दू की खेती की। इससे फल एक समान आकार और आकर्षक रूप में तैयार हुए। इसका मुझे अच्छा लाभ मिला। सरकार से मुझे फोलिक हाउस शेड मिला है। इसकी वजह से पौधों को ज्यादा धूप और बारिश से बचाया जा सकता है। यहां से गोभी, मिर्चा, बैंगन, धनिया, पालक आदि पौधों का उत्पादन कर रहा हूं। इससे भी अच्छी आमदनी हो रही है। मैंने जिसे मॉडर्न और व्यवसायिक सोच से खेत में काम किया उसमें मलचिंग और ड्रिप सिस्टम महत्वपूर्ण है। मचान पद्धति से करेला और कद्दू जैसे सब्जियों के उत्पादन में दोगुनी तीन गुनी तक वृद्धि हुई। इसी तरह आय भी बढ़ी। फोलिक हाउस शेड से पौधा उत्पादन सुरक्षित और बेहतर हो गया।

जब से मैं आदर्श ग्राम सेवा समिति से जुड़ा तब से खेती के तरीके में छोटे-छोटे परिवर्तन किए जिसका बहुत लाभ मिला। मैंने कई किसान दोस्तों के साथ यह बात साझा की जिससे उनके खेतों में भी बेहतर उत्पादन होने लगे। सब्जियां हमें तुरंत आमदनी देती है। अतिवृष्टि या कम वर्षा से बचने के लिए हम अगर बताई गई तकनीक को अपनाते हैं तो हमारी फसल भी सुरक्षित रहती है और लागत भी नहीं डूबती। बल्कि यह हमें लाभ देकर ही जाता है।

कृष्ण देव महतो इंटर पास है और वर्तमान में लगभग 1 एकड़ जमीन पर खेती कर रहे हैं। नौकरी की तलाश करने के बजाय खेती को ही अपनाया। आज मेहनत और तकनीक के सहारे सालाना दो से ढाई लाख रुपए की आमदनी कर लेते हैं। गांव और आसपास के लोग भी इनकी खेती को देखकर प्रेरित होते हैं। कुछ लोग जानकारी लेते आते हैं जिन्हें स्वेच्छा से पूरी जानकारी देते हैं।

रांची में सोनाचूर का दाम घटा, थोक में बिक रहा 140 रुपए किलो, खुदरा भाव 190 तक

रांची, एजेंसी। रांची में सोनाचूर चावल की कीमतों में हाल ही में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। एक महीने पहले तक यह चावल थोक बाजार में 180 प्रति किलो और खुदरा बाजार में 210 प्रति किलो तक पहुंच गया था, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ गया था। हालांकि बीते एक सप्ताह में इसकी थोक कीमतों में गिरावट आई है और यह अब 138-140 प्रति किलो बिक रहा है। लेकिन, कई खुदरा दुकानों पर इसकी कीमत अभी भी 170-190 प्रति किलो बनी हुई है, क्योंकि दुकानदारों ने यह चावल ऊंचे दामों में खरीदा था और अभी नया स्टॉक नहीं उठाया है।

चावल के व्यापारी सह रांची चैंबर अध्यक्ष संजय माहूरी का कहना है कि एक महीने के भीतर पश्चिम बंगाल से नया फसल बाजार में आने की उम्मीद है। यही वजह है कि किसानों ने पुराने स्टॉक को तेजी से बेचना शुरू कर दिया है, जिससे कीमतों में गिरावट आई है। इसके साथ ही ऊंची कीमतों की वजह से मांग में भी कमी आई है।

दुर्गा पूजा के बाद खाद्य तेल के भाव में कुछ करेक्शन हुआ है। सप्ताह भर में सरसों तेल 5 से 8 रुपए तक सस्ता हुआ है। वहीं, रिफाइन तेल के भाव 5 रुपए लीटर तक कम हुए हैं। कारोबारियों का कहना है कि दुर्गा पूजा के बाद तेल का मांग कम हुआ है इस कारण भाव में थोड़ी कमी हुई है, फिर इनके भाव बने हुए हैं। इस समय सरसों तेल खुदरा बाजार में 170 से 200 रुपए लीटर और रिफाइन तेल 160 से 180 रुपए लीटर मिल रहा है।

दुबई, सऊदी अरब जैसे देशों में सोनाचूर चावल डिमांड में

इस वर्ष कतर, दुबई और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों में सोनाचूर चावल की मांग काफी बढ़ी है। इससे देश के भीतर इसकी उपलब्धता प्रभावित हुई है। वहीं, पिछले वर्ष बंगाल में उत्पादन भी कम हुआ था, जिसके चलते इस साल बाजार में आपूर्ति और मांग के बीच असंतुलन देखा जा रहा है।

चावल के प्रमुख व्यापारी मनीष साहू ने कहा कि आगामी महीनों में नए चावल आने वाले हैं। इसलिए कतरनी चावल भी 200 रुपए क्विंटल तक कम हो गया है। उन्होंने कहा कि सोनाचूर चावल की कीमतों में काफी गिरावट आई है। यह चावल थोक में 137-140 रुपए प्रति किलो तक हो गया है। इधर कई खुदरा व्यापारियों का कहना है कि इन्होंने अभी घटे हुए दाम वाले सोनाचूर चावल मुख्य मंडी से नहीं उठाया है। इसलिए बढ़े हुए भाव में ही बेच रहे हैं। जब उठाएंगे तब भाव को कम कर देंगे।

गिरिडीह में मुंबई पुलिस ने की कार्रवाई:मुंबई में शराब दुकान से लाखों की चोरी कर भागे दो आरोपी

गिरिडीह, एजेंसी। मुंबई में शराब दुकान से लाखों रुपए की चोरी कर फरार दो आरोपियों को गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र से मुंबई पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दोनों युवकों की पहचान महेश पंडित और सुभाष कुमार नायक के रूप में की गई है। ये दोनों मुंबई के विक्रोली इलाके में हुई चोरी की बड़ी वारदात के बाद अपने पैतृक गांव नगरी में छिपे हुए थे।

मुंबई के विक्रोली इलाके में की थी चोरी, सीसीटीवी से मिला सुराग : पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुभाष कुमार नायक और उसके साथी महेश पंडित ने मिलकर मुंबई के विक्रोली क्षेत्र स्थित एक शराब दुकान से लाखों रुपए नकद चुराए थे। वारदात के बाद दोनों ने मौके से फरार होकर गिरिडीह जिले का रुख किया। चोरी की इस घटना की शिकायत दुकान मालिक ने विक्रोली थाने में दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान की। फुटेज से मिले सुरागों के आधार पर मुंबई पुलिस ने तकनीकी निगरानी से दोनों की लोकेशन ट्रेस की।

आरोपियों की लोकेशन गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के नगरी गांव में मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने गिरिडीह पुलिस से संपर्क साधा। संयुक्त अभियान के तहत पुलिस ने सोमवार सुबह गांव में छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ में चोरी की वारदात में उनकी संलिप्तता की पुष्टि हुई है।

डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने बताया कि चोरी के इस मामले में दोनों आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 306 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के बाद दोनों को रात में गिरिडीह सदर अस्पताल ले जाकर मेडिकल जांच कराई गई। जांच पूरी होने के बाद मुंबई पुलिस दोनों आरोपियों को अपने साथ मुंबई ले जाने की तैयारी में जुट गई है।

धनबाद में रोपवे से लोहा काटते समय हादसा एक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के झरिया स्थित सुदामडीह थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक हादसा हुआ। सेल के रोपवे से लोहा काटने के दौरान बिजली के तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना आउटसोर्सिंग पत्थर डंपिंग के पास हुई। जानकारी के अनुसार, तीन युवक रोपवे से लोहा काट रहे थे। इसी दौरान एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पवन पासवान के रूप में हुई है। घायल और मृतक तीनों बनियाहीर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही सुदामडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। शव को नीचे उतारने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में रोपवे और अन्य औद्योगिक इकाइयों से लोहा चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। लोगों ने आरोप लगाया है कि अवैध लोहा कारोबारी रोजी खान ने मजदूरों को लालच देकर यह काम करवाया था, जबकि राजू खान ने उन्हें जबरन यहां लाया था।

मृतक पवन पासवान के परिजनों ने मुआवजे की मांग की है। परिवार और स्थानीय लोगों ने इस तरह के अवैध कार्यों में जान के जोखिम पर चिंता व्यक्त की है। सुदामडीह थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या यह सामने आया है कि लोहा चोरी के दौरान करंट लगने से युवक की मौत हुई है। उन्होंने पुष्टि की कि रेस्क्यू कार्य जारी है और मामले की गहन जांच की जाएगी।

आदिवासी पहचान व अस्तित्व से कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे

रांची, एजेंसी। आदिवासी समाज ने रविवार को रांची में आक्रोश महारैली निकालकर कुड़मी को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने की मांग का पुरजोर विरोध किया। आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा के बैनर तल आदिवासी समाज के लोगों ने मोरहाबादी मैदान से पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा फुटबॉल स्टेडियम तक आक्रोश मार्च निकाला। फिर वहां महाजुटान हुआ। इसमें पारंपरिक हथियारों के साथ बड़ी संख्या में लोग जुटे।

आदिवासी नेताओं, समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों और धार्मिक प्रमुखों ने एक सुर में चेताया कि आदिवासी पहचान और अस्तित्व से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुड़मी को एसटी में शामिल करने की मांग पूरी तरह से गलत है। केंद्रीय सरना समिति, आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा, झारखंड जनजातीय परिषद, आदिवासी-मूलवासी सदान अधिकार मंच के नेताओं ने कहा कि कुड़मी समाज कभी अनुसूचित जाति की सूची में नहीं रहा।

डुंगडुंग स्लैडसन डुंगडुंग ने कहा कि कुड़मी समाज का आदिवासियों से कोई पारंपरिक संबंध नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि 1872 से 1931 तक की जनगणना में कुड़मी समुदाय को केवल क्षेत्रीय समुदाय के रूप में दर्ज किया गया था, न कि जनजाति के रूप में। अनुसूचित जनजातियों की सूची 1 दिसंबर 1948 से लागू हुई। इससे पहले कुड़मी समाज ने 1923 से 1930 के बीच करीब 700 आंदोलन किए, लेकिन कभी भी एसटी दर्जे की मांग नहीं की।

आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि कुड़मी-महतो कभी आदिवासी नहीं थे। न ही उन्होंने कभी खुद को आदिवासी माना। अब फर्जी दस्तावेजों के सहारे एसटी का दर्जा पाने की साजिश कर रहे हैं। आदिवासी पहचान कोई सुविधा या आरक्षण पाने का रास्ता नहीं, बल्कि यह यह हमारी संस्कृति, परंपरा, भाषा और जीवन दर्शन से जुड़ी पहचान है। कुड़मी समाज का इतिहास, भाषा और जीवनशैली पूरी तरह से अलग है। ऐसे में उन्हें आदिवासी का दर्जा देना आदिवासी समाज के अस्तित्व पर हमला है। हम अपने अस्तित्व, पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी स्तर तक संघर्ष करेंगे। कुड़मी समाज को आदिवासी का दर्जा देने का प्रयास संविधान और इतिहास के लिए अन्याय होगा।

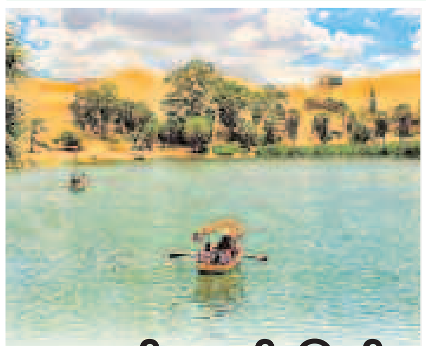

इस झील की मिट्टी शरीर पर लगाने से दूर हो जाती है हर बीमारी

आपने भारत के कई ऐसे झीलों के बारे में सुना होगा, जहां नहाने से गंभीर बीमारियां ठीक हो जाती हैं. इसके पीछे असली वजह क्या है, यह तो नहीं पता पर लोगों के बीच ये जगहें खूब मशहूर हो रही हैं. आइए आपको बताते हैं दुनिया की एक ऐसी झील के बारे में जहां एक जलपरी के मौजूद होने का दावा किया जाता है और कहा जाता है कि उसकी वजह से लोगों की बीमारियां दूर हो रही हैं. यह झील पेरू के हुआकाचाइना में स्थित है और धीरे-धीरे दुनियाभर में टूरिस्टों के बीच मशहूर हो रही है.

पानी में नहाने से बीमारियां होती हैं दूर

इंटरनेट पर मौजूद आंकड़ों के मुताबिक, इस क्षेत्र की कुल आबादी 100 लोगों की है लेकिन यहां हर साल 10 हजार से भी ज्यादा टूरिस्ट घूमने आते हैं. यह झील ओएसिस ऑफ अमेरिका के नाम से मशहूर है और इसके आसपास रेत के ऊंचे टीले भी हैं. इस झील के बारे में कहा जाता है कि इसके पानी और मिट्टी में ऐसा जादू है कि इसके पानी में नहाने या फिर शरीर पर इसकी मिट्टी का लेप लगाने से सभी बीमारियां दूर हो जाती हैं.

शीशे ने झील का रूप ले लिया

यहां रहने वाले लोगों के अलावा टूरिस्ट भी इस झील में डुबकी लगाते हैं और इसकी मिट्टी का लेप भी शरीर पर लगाते हैं. यह झील कैसे बनी, इसके पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है. कहा जाता है कि जब एक राजकुमारी ने नहाने के लिए अपने कपड़े उतारे तो उसकी नजर अपने शीशे पर पड़ी जिसमें एक शिकारी उसकी तरफ बढ़ रहा था. वह अचानक वहां से भागने लगी और इसी बीच उसका शीशा वहीं गिर गया, जिसने बाद में एक झील का रूप ले लिया.

राजकुमारी इसी झील में एक जलपरी के रूप में रहती है

ऐसा भी कहा जाता है कि जब वह भाग रही थी तो उससे जो रेत उड़ी उसने रेत के टीलों का रूप ले लिया. माना जाता है कि वह राजकुमारी इसी झील में एक जलपरी के रूप में रहती है और सबकी बीमारियां ठीक कर देती है. अब यह कितना सच है यो तो वहां घूमने जाने पर ही पता चलेगा.

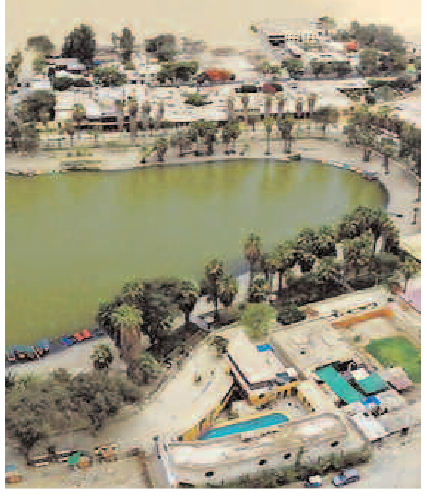

भारत के इस रहस्यमय किले में छुपा है गहरा राज

भारत में ऐसे कई रहस्यमय किले मौजूद हैं, जो बाहर से देखने पर तो काफी खूबसूरत लगते हैं, लेकिन वो अपने अंदर कुछ राज समेटे हुए हैं। एक ऐसा ही रहस्यमय किला है बुदेंलखंड प्रांत में, जिसे कालिंजर के किले के नाम से जाना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बुदेंलखंड प्रांत उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों में बंटा हुआ है। इस प्रांत के अंदर आने वाले कुछ जिले उत्तर प्रदेश में पड़ते हैं तो कुछ मध्य प्रदेश में पड़ते हैं। वैसे कालिंजर यूपी के बांदा जिले में स्थित है।

कालिंजर का किला भारत के सबसे विशाल और अपराजेय दुर्गों में गिना जाता रहा है। प्राचीन काल में यह दुर्ग जेजाकभुक्ति (जयशक्ति चन्देल) साम्राज्य के आधीन था। बाद में यह 10वीं शताब्दी तक चन्देल राजपूतों के आधीन और फिर रीवा के सोलंकियों के आधीन रहा। इन राजाओं के शासनकाल में कालिंजर पर महमूद गजनवी, कुतुबुद्दीन ऐबक, शेर शाह सूरी और हुमांयू जैसे योद्धाओं ने आक्रमण किए, लेकिन इस पर विजय पाने में असफल रहे। कालिंजर विजय अभियान में ही तोप का गोला लगने से शेरशाह की मृत्यु हो गई थी। बाद में मुगल बादशाह अकबर ने इस पर अधिकार कर लिया और किले बीरबल को तोहफे में दे दिया। इस किले में कई प्राचीन मंदिर भी हैं। इनमें से कई मंदिर तीसरी से पांचवीं सदी यानी गुप्तकाल के हैं। यहां के शिव मंदिर के बारे में मान्यता है कि सागर-मंथन से निकले विष को पीने के बाद भगवान शिव ने यहीं तपस्या कर उसकी ज्वाला शांत की थी। यहां स्थित नीलकंठ मंदिर को कालिंजर के प्रांगण में सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण और पूज्यनीय माना गया है। कहते हैं कि इसका निर्माण नागों ने कराया था। इस मंदिर का जिक्र पुराणों में भी है। इस मंदिर में एक शिवलिंग स्थापित है, जिसे बेहद प्राचीनतम माना गया है। नीलकंठ मंदिर के ऊपर ही जल का एक प्राकृतिक स्रोत है, जो कभी सूखता नहीं है। इसी जल से मंदिर में मौजूद शिवलिंग का अभिषेक निरंतर प्राकृतिक तरीके से होता रहता है। वैसे बुंदेलखंड का यह इलाका सूखे के कारण जाना

जाता है, लेकिन यहां कितना भी सूखा पड़े, जल का यह स्रोत कभी नहीं सूखता है। कहते हैं कि कालिंजर के किले में कई रहस्यमयी छोटी-बड़ी गुफाएं भी मौजूद हैं।

जमीन से 800 फीट की ऊंची पहाड़ी पर बना कालिंजर का यह किला जितना शांत है, उतना ही खौफनाक भी। कहते हैं कि रात होते ही यहां एक अजीब सी हलचल पैदा हो जाती है। लोगों का मानना है कि यहां मौजूद रानी महल से रात को अक्सर घुंघरुओं की आवाज सुनाई देती है। यही वजह है कि यहां दिन के समय तो लोग घूमने के लिए आते हैं, लेकिन रात होने से पहले ही वो यहां से निकल जाते हैं। इस किले में प्रवेश के लिए सात दरवाजे बने हुए हैं और ये सभी दरवाजे एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। यहां के स्तंभों और दीवारों में कई प्रतिलिपियां बनी हुई हैं। मान्यता है कि प्रतिलिपियों में यहां मौजूद खजाने का रहस्य छुपा हुआ है, जिसे अब तक कोई भी ढूंढ नहीं पाया है। इस किले में सीता सेज नामक एक छोटी सी गुफा है, जहां एक पत्थर का पलंग और तकिया रखा हुआ है। माना जाता है कि यह जगह माता सीता की विश्रामस्थली थी। यहीं एक कुंड भी है, जो सीताकुंड कहलाता है। किले में बुड्ढा और बुड्ढी नामक दो ताल हैं, जिसके जल को औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मान्यता है कि इनका जल चर्म रोगों के लिए लाभदायक है और इसमें स्नान करने से कुष्ठ रोग भी ठीक हो जाता है।

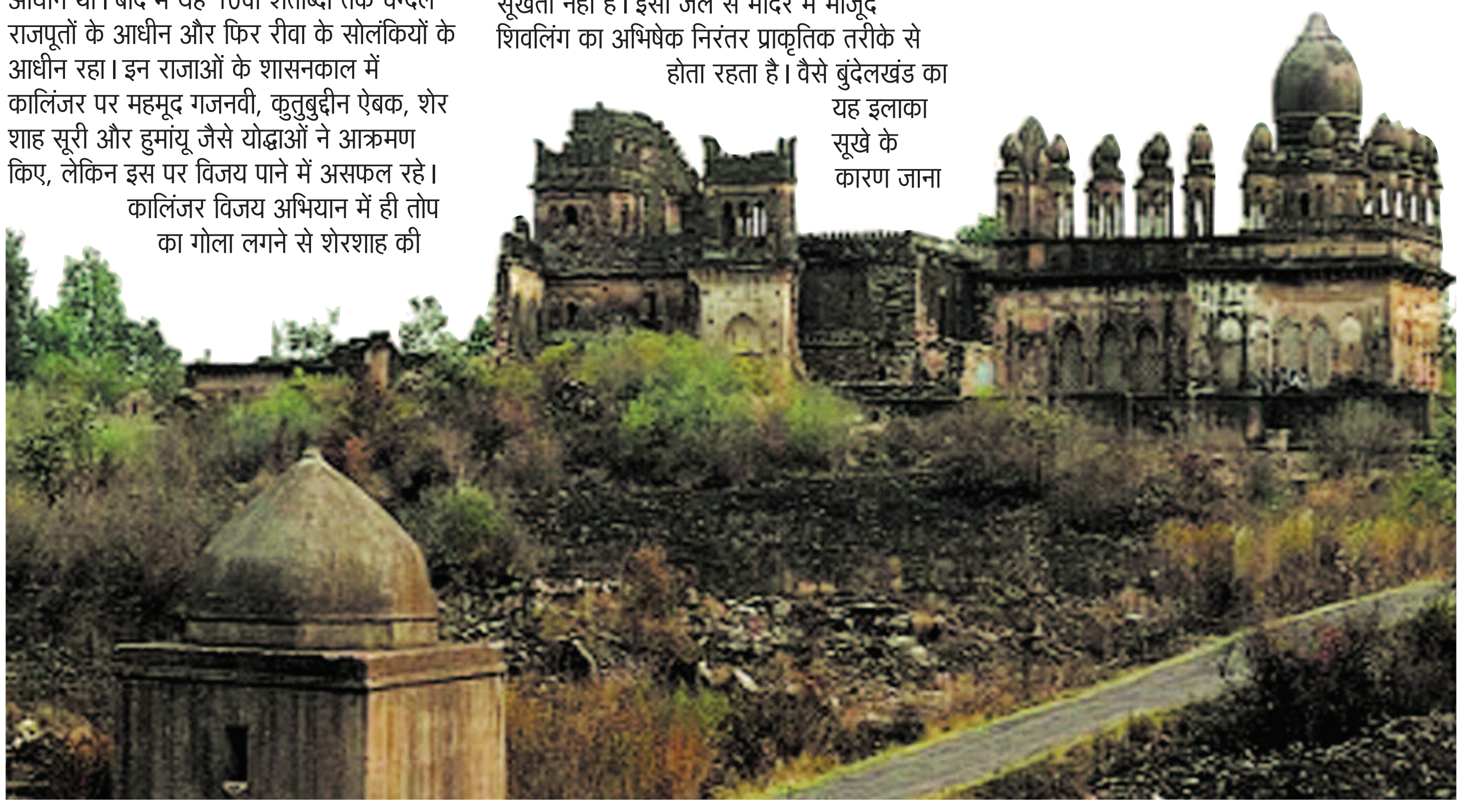

चीन में बना दुनिया का सबसे बड़ा स्टैंडिंग लैंटर्न

चीन में इस वक्त जोर-शोर से बसंतोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर के दौरान यहां के लुयोयांग में दुनिया का सबसे बड़ा स्टैंडिंग लैंटर्न यानी लालटेन बनाया गया है। यह लालटेन 147 फीट लंबा, 81 फीट ऊंचा और 64 फीट से ज्यादा चौड़ा है। इसका वजन करीब 4500 टन है। इस लैंटर्न को 200 से ज्यादा कलाकारों ने 17 दिनों की दिन-रात की मेहनत से तैयार किया है। इस लैंटर्न को सिटी ऑफ फ्लॉवर पीउनी की थीम पर बनाया गया है। इसमें 36 पंखुड़ियां और 6 परतें हैं। इस विशाल लालटेन को गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। इस लैटर्न की ऊंचाई 100 लोगों के एक के ऊपर एक खड़े होने के बराबर है। लैंटर्न को 53 हजार लाइट सोर्स से जगमग किया गया है। इस लैटर्न की खास बात यह है कि यह पूरी तरह से हैंडमेड है।

पेरू की झील में टोटोरा पौधों से बने हैं ये मानव निर्मित आइलैंड

पेरू और बोलिविया सीमा पर स्थित है टिटिकाका झील। यह दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है। इस झील पर स्थानीय लोग आइलैंड बनाकर रहते हैं। स्थानीय उरोस लोग बांस की तरह के एक पौधे टोटोरा से इन आइलैंड्स को बनाते हैं। इस समय यहां करीब 120 मानव निर्मित आइलैंड हैं और इन पर 1300 लोग रह रहे हैं। इसी से लोग नावे भी बनाते हैं। लेकिन समय के साथ यहां रहने वालों के जीवन में भी बदलाव आया है। अब यहां तकनीक का प्रभाव देखने को मिलता है। लोगों के घर सोलर पैनल्स द्वारा पैदा की गई रोशनी से रोशन हो रहे हैं। दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झील टिटिकाका में पानी में तैरती बस्तियां बसाई जा रही हैं। यह जगह समुद्रतल से 12,500 फीट ऊंचाई पर है। ये द्वीप इंसानों के बनाए हुए हैं और सभी तैरते हैं। द्वीपों की इन्हीं खासियत के कारण यहां की आबादी लगातार बढ़ रही है। पेरू और बोलीविया के लोगों ने झील में छोटे-छोटे नए आइलैंड बनाने शुरू कर दिए हैं।

टोटोरा रीड्स के बने हैं आइलैंड

इन द्वीपों का बेस टोटोरा रीड्स की मोटी चादर पर बना है। इन पर घर भी हल्की लकड़ी और टोटोरा रीड्स के बने हैं। इसके चलते ये तैरते रहते हैं। टोटोरा रीड्स जलीय इलाकों में पाई जाने वाली लकड़ी होती है। कुछ मछुआरे इसकी नाव भी बनाते हैं।

समुद्र की गहराई में दफन वो पांच रहस्यमयी शहर, जिनकी खोज ने दुनियाभर को चौंकाया

कई सौ साल पहले दुनिया में ऐसे-ऐसे शहर हुआ करते थे, जो आज इतिहास का हिस्सा बन गए हैं और वो इसलिए क्योंकि वो समुद्र की गहराइयों में विलीन हो गए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही शहरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रहस्यमयी तो हैं ही, साथ ही वो समुद्र की अनंत गहराइयों में डूब गए थे।

अलेक्जेंड्रिया, मिस्र

ये है सिकंदर का शहर अलेक्जेंड्रिया (मिस्र), जो करीब 1500 साल पहले भयानक भूकंप के कारण समुद्र में डूब गया था। पानी में इसके खंडहर आज भी मौजूद हैं, जो इस शहर की विरासत को बयां करते हैं।

खंभात का खोया हुआ शहर

इसे खंभात का खोया हुआ शहर कहते हैं, जो 17 साल पहले खंभात की खाड़ी (भारत) में मिला था। बताया जाता है कि यह शहर करीब 9500 साल पहले समुद्र में डूब गया था। साल 2002 में विशेषज्ञों ने इसे खोज निकाला। हालांकि यह अभी भी रहस्य ही है कि यह आखिर कैसे डूबा?

योनागुनी

मिस्र में तो आपने कई पिरामिड देखें होंगे, लेकिन क्या कभी समुद्र के अंदर पिरामिड देखा है। दरअसल, जापान में कुछ साल पहले एक टूरिस्ट गाइड ने समुद्र के अंदर मौजूद इन पिरामिडों को खोज निकाला था। इसे योनगुनी शहर के नाम से

हेरास्लोइन शहर

ये है मिस्र का प्राचीन शहर हेरास्लोइन, जो करीब 1200 साल पहले समुद्र में समा गया था। कुछ साल इसकी खोज की गई। इतिहासकार हेरोटोडस के मुताबिक, यह शहर बेशुमार दौलत के लिए मशहूर था। गोताखोरों को यहां से खजाना भी मिल

शी चेंग शहर

चीन के झेजियांग में शी चेंग नाम का एक शहर हुआ करता था, जो करीब 1300 साल पुराना था, लेकिन साल 1959 में यह शहर गहरी झील में डूब गया। इसे लायन सिटी के नाम से जाना जाता है। हैरानी की बात ये है कि इस शहर के खंडहर आज भी पानी के अंदर बिल्कुल सही स्थिति में हैं।

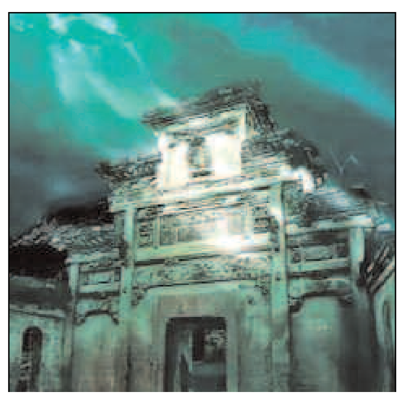

35 लाख के पैकेज को मारी लात

र-घर बनने वाली इस चीज ो बनाया ब्रांड, अब 1.8 रोड़ का टर्नओवर

ई दिल्ली एजेंसी। ओडिशा के संबलपुर सौरभ खंडेलवाल ने कमाल की कामयाबी ासिल की है। उनकी कहानी जुनून को कीकत में बदलने की मिसाल है। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट से ग्रेजुएट सौरभ ने 5 लाख रुपये सालाना के पैकेज को कराकर अपने सपने को सच करने का सला किया। उनका दिल हमेशा से एक सा ब्रांड बनाना चाहता था जिसे हर कोई ाने। सौरभ ने पाया कि ओडिशा का सबसे ोकप्रिय स्ट्रीट फूड दही-बड़ा आलू दम में ोबल ब्रांड बनने की अपार क्षमता है। न्होंने सड़क किनारे विक्रेताओं के साथ हकर इस व्यंजन पर महीनों तक गहन शोध किया। कई शुरुआती झटकों के बाद सौरभ ने हीबड़ा एक्सप्रेस ब्रांड की नींव रखी। अब ह 1.8 करोड़ का टर्नओवर पार कर चुका । आइए, यहां सौरभ खंडेलवाल की फलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ंधों पर जल्दी पड़ी गई रिवार की जिम्मेदारी

संबलपुर के रहने वाले सौरभ खंडेलवाल की यात्रा 2019 में भुवनेश्वर के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट से स्नातक होने के साथ शुरू हुई। उनके सिर पर परिवार की जिम्मेदारी जल्दी आ गई थी। 12वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के दौरान ही उनके पिता का निधन हो गया था। ग्रेजुएशन के तुरंत बाद उन्होंने सर्विस इंडस्ट्री में नौकरी शुरू कर दी। लेकिन, उनके मन में हमेशा से अपना एक ऐसा बड़ा ब्रांड बनाने का जुनून था जिसे लोग पहचान सकें। छात्र रहते हुए उन्होंने जागृति यात्रा में हिस्सा लिया था। इसने उन्हें सफल उद्यमियों के साथ नेटवर्क बनाने और सीखने का मौका दिया। हालांकि, फूड बिजनेस में उनका शुरुआती प्रयास कोरोना महामारी और एक चक्रवात के कारण हुए नुकसान के चलते विफल रहा। उन्हें वापस नौकरी करनी पड़ी, जहां वह 35 लाख रुपये सालान का अच्छा वेतन कमा रहे थे।

नौकरी छोड़ने का लिया बड़ा फैसला

दिल्ली में आरामदायक नौकरी के बावजूद सौरभ बेचैन थे। 25 साल की उम्र में उन्होंने सोचा कि ब्रांड बनाने का जोखिम लेने का यही सही समय है, वरना शायद वह कभी सर्विस सेक्टर नहीं छोड़ पाएंगे। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ी और ओडिशा लौटकर स्थानीय भोजन पर रिसर्च शुरू की। उन्हें लगा कि ओडिशा का प्रसिद्ध दही बड़ा आलू दम में एक ग्लोबल ब्रांड बनने की बड़ी संभावना है। यह आमतौर पर सड़क किनारे बिना किसी स्वच्छता मानक के बेचा जाता है। इस व्यंजन की बारीकियों को समझने के लिए सौरभ ने एक महीने तक कड़ी मेहनत की। वह पूरे दिन दहीबड़ा चखते रहे, स्वाद और बनावट को समझा और यहां तक कि इसे बनाने का तरीका सीखने के लिए कुछ विक्रेताओं के घरों पर भी रहे। इस रिसर्च के दौरान दही खाने के कारण उन्हें गंभीर जुकाम हुआ। निमोनिया के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

अस्पताल के बिस्तर पर पड़े सौरभ ने महसूस किया कि दहीबड़ा की बहुत मांग है। इसे स्वस्थ, स्वच्छ तरीके से परोसने की एक बड़ी कमी है। उन्होंने इसे दुनिया का अपनी तरह का पहला दहीबड़ा ब्रांड बनाने का फैसला किया। दिसंबर 2022 में दुबई की यात्रा के दौरान उन्हें एक ओडिशा-मूल के निवेशक से 30 लाख रुपये का शुरुआती निवेश (सीड फंडिंग) मिला। जनवरी 2023 में उन्होंने टीएचक्यू फूड एंड बेवरेजेस के तहत दहीबड़ा एक्सप्रेस की शुरुआत की। हालांकि, केवल छह महीनों में वित्तीय योजना की जानकारी न होने के कारण कंपनी का सारा कैश खत्म हो गया। निवेशक ने फंड देने से मना कर दिया और अपना पैसा वापस मांग लिया। सौरभ पूरी तरह टूट चुके थे। लेकिन, हार नहीं मानी। तभी उनके एक दोस्ते ने उन्हें फ्रेंचाइजी मॉडल शुरू करने का सुझाव दिया। सौरभ के दोस्त के सर्कुलेट किए गए दहीबड़ा एक्सप्रेस के एक वीडियो को 12 घंटे में 40 लाख व्यूज मिले। इसके कारण उन्हें फ्रेंचाइजी के लिए 3000-4000 कॉल आए। शुरुआत में कम फ्रेंचाइजी फीस (50 हजार रुपये) के

बिकने जा रहा है प्राइवेट बैंक आरबीएल

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत के बड़े प्राइवेट बैंकों में एक आरबीएल बिकने जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दूसरा सबसे बड़ा बैंक एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी इसे खरीदने के लिए आए आया है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार यह बैंक आरबीएल में 15,000 करोड़ रुपये (करीब 1.7 अरब डॉलर) के बड़े निवेश के लिए अंतिम दौर की बातचीत कर रहा है। अगर यह सौदा पूरा हो जाता है तो एमिरेट्स एनबीडी आरबीएल बैंक में सबसे बड़ा शेयरधारक बन जाएगा और बैंक का नियंत्रण भी उसके पास आ जाएगा।

कैसे होगा यह निवेश

यह निवेश शेयर और वॉरंट के जरिए किया जाएगा, जिसे प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट कहते हैं। इसके बाद आरबीएल बैंक के 26 प्रतिशत अतिरिक्त शेयरों के लिए एक ओपन ऑफर भी लाया जाएगा। इस पूरे निवेश का मकसद बैंक को नई पूंजी देना है, ताकि उसकी वित्तीय स्थिति और मजबूत हो सके। आरबीएल बैंक का मौजूदा मार्केट कैप करीब 17,786.8 करोड़ रुपये है। जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तो उम्मीद है कि एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक के कुल इक्विटी पूंजी का 51 प्रतिशत हिस्सा अपने नाम कर लेगा। इस मौके की खबर के बाद आरबीएल के शेयर में तेजी आई है। पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन में यह शेयर करीब 7 फीसदी चढ़ गया है। वहीं मंगलवार को भी इसमें उछाल आया। सोमवार को यह शेयर 290.15 रुपये पर बंद हुआ था। मंगलवार को यह तेजी के साथ 294 रुपये पर खुला। कुछ ही देर बाद इसमें 3 फीसदी से ज्यादा तक की तेजी आ गई और यह 299.65 रुपये पर पहुंच गया। सुबह 10:20 बजे यह शेयर करीब एक फीसदी की तेजी के साथ 292.80 रुपये पर

इस मामले में बढ़ेगी यूएई के बैंक की ताकत

इस मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल के हफ्तों में बैंक के नियंत्रण में बदलाव के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस सौदे से एमिरेट्स एनबीडी बैंक की एशिया में मौजूदगी बढ़ेगी। साथ ही, यह भारत और पश्चिम एशिया के बीच तेजी से बढ़ते रेमिटेंस यानी पैसे भेजने के बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने का एक बड़ा मौका होगा। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय, देश के कुल प्रवासी भारतीयों का लगभग आधा हिस्सा हैं। वित्तीय वर्ष 2024 में खाड़ी देशों से भारत भेजे गए 38.7 अरब डॉलर के रेमिटेंस में से आधा हिस्सा सिर्फ यूएई से आया था।
यह भारत के लिए विदेशी पैसे भेजने का दूसरा

एलजी के आईपीओ ने तो झोली भर दी, लेकिन इस महीने लिस्ट हुए 12 में 8 आईपीओ ने निवेशकों को रुला दिया

मुंबई, एजेंसी। आईपीओ या इनीशियल पब्लिक ऑफर में आप भी निवेश करते हैं तो यह खबर जरूर पढ़िए। इस महीने मतलब कि अक्टूबर में मेनबोर्ड पर लिस्ट हुए 12 में से आठ आईपीओ अब अपने इश्यू प्राइस (जारी मूल्य) से नीचे कारोबार कर रहे हैं। यह दिखाता है कि प्राइमरी मार्केट में भारी हलचल के बाद निवेशकों का उत्साह कम हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि यह सुस्त प्रदर्शन कुछ खास वजहों से है। जैसे कि बहुत ज्यादा कीमत पर आईपीओ लाना, रिटेल निवेशकों की कम भागीदारी और लिस्टिंग के बाद का उत्साह फीका पड़ जाना। इनके मुताबिक कई आईपीओ ने एग्रेसिव प्राइस सेट किया, जिसे बाजार ने नकार दिया। इस महीने लिस्ट हुए कुछ खास आईपीओ जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, उनमें ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स शामिल है। यह 8 अक्टूबर को 135 रुपये के इश्यू प्राइस पर लिस्ट हुआ था, लेकिन लिस्टिंग के समय ही इसे 40 प्रतिशत का भारी डिस्काउंट मिला। अब यह अपने इश्यू प्राइस से 27 प्रतिशत नीचे गिर गया है। ग्लॉटिस का आईपीओ 129 रुपये प्रति शेयर पर आया था और अब यह इश्यू प्राइस से 40 प्रतिशत नीचे है। वहीं, बीएमडब्ल्यू वेंचर्स 99 रुपये के इश्यू प्राइस से 35 प्रतिशत गिर गया है। वीवर्क मैनेजमेंट ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज फैबटेक टेक्नोलॉजीज, जिंक्कुशल इंडस्ट्रीज और पेस डिजिटेक भी अपने ऑफर प्राइस से नीचे चल रहे हैं, हालांकि इनमें गिरावट की मात्रा अलग-अलग है। अच्छी बात यह है कि टाटा कैपिटल कल लिस्ट होने के बाद थोड़ा ऊपर गया है।

विजय माल्या ने ब्रिटेन में दिवालियापन रद्द करने का आवेदन वापस लिया

लंदन एजेंसी। धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों में मुकदमे का सामना कर रहे विजय माल्या से जुड़ी एक अहम जानकारी ब्रिटेन से सामने आई है। भारत में वांछित विजय माल्या ने सोमवार को लंदन में होने वाली सुनवाई से पहले अपने खिलाफ दिवालियापन आदेश को रद्द करने के लिए दिया गया आवेदन वापस ले लिया। इसका मतलब है कि दिवालियापन ट्रस्टी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व वाले बैंकों का संघ 69 वर्षीय किंगफिशर एयरलाइंस पर बकाया लगभग 1.05 बिलियन पाउंड के अनुमानित ऋण के भुगतान को हासिल करने के लिए परिसंपत्तियों की तलाश जारी रख सकेगा। बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म टीएलटी एलएलपी ने एक बयान में कहा, 卐विजय माल्या के दिवालियापन ट्रस्टी, उनकी दिवालियापन संपत्ति के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों की जांच और वसूली का काम बिना किसी बाधा के जारी रख सकेंगे।卐 माल्या ने यह कदम हाईकोर्ट के न्यायाधीश एंथनी मान की ओर से बैंकों के पक्ष में दिए गए फैसले के उठाया है। इसमें चार वर्ष से अधिक पुराने दिवालियापन आदेश को बरकरार रखा गया था। इस बीच, माल्या अपने वकीलों जैवाला एंड कंपनी के जरिए 2021 के दिवालियापन आदेश को रद्द करने के लिए याचिका दायर कर रहे थे। इसका आधार यह था कि बैंकों का कर्ज भारत में पहले ही वसूल किया जा चुका है। माल्या के खिलाफ एसबीआई और अन्य के मामले की सुनवाई मई 2018 से शुरू हुई है। उस दौरान डीआरटी के फैसले के आधार पर बैंकों को वैश्विक फ्रीजिंग आदेश दिया गया था। तब से इस मामले में कई सुनवाइयां हुई हैं। इसके बाद 26 जुलाई, 2021 को माल्या के खिलाफ दिवालियापन आदेश जारी किया गया। इसके अलावा, भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध के संबंध में, माल्या ब्रिटेन में जमानत पर हैं, जबकि शरण आवेदन से संबंधित एक गोपनीय कानूनी मामला सुलझ गया है।

एक दिन में 90 प्रतिशत टूट गया टाटा इनवेस्टमेंटका शेयर

मुंबई, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में मंगलवार सुबह तेज गिरावट दिखी। ऐसा लगा कि कंपनी के शेयर 90 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर मंगलवार को एनएसई पर 1015 रुपये के निचले स्तर पर जा पहुंचे। कंपनी के शेयर सोमवार को 9,949 रुपये पर बंद हुए थे। असल में टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में कोई गिरावट नहीं आई, बल्कि कंपनी के शेयर स्टॉक स्प्लिट की रिकॉर्ड डेट पर ट्रेड कर रहे थे। स्टॉक स्प्लिट के प्राइस एडजस्टमेंट की वजह से यह गिरावट दिखी है। कंपनी ने 10 टुकड़ों में बांटा है अपना शेयर टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने अपने शेयर का बंटवारा किया है। कंपनी ने अपने शेयर को 1:10 के अनुपात में बांटा है। यानी, कंपनी ने अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा है। कंपनी के शेयर मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 को शेयर

दिवाली तक रिकॉर्ड 4.75 लाख करोड़ की होगी त्योहारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
आयकर छूट, कम ब्याज दरें और जीएसटी कटौती की तिकड़ी ने इस त्योहारी सीजन की रौनक बढ़ा दी है। बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल दिखाई दे रही है, जिससे व्यापारियों को उम्मीद है कि नवरात्र की शुरुआत के साथ दिवाली तक चलने वाले मौजूदा त्योहारी सीजन में खरीद-बिक्री के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट जाएंगे। इस बार खास बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपनाने के आह्वान के बाद खरीदारों में भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ गई है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया, दिवाली तक चलने वाले त्योहारी सीजन में देशभर के खुदरा बाजारों में 4.75 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक कारोबार होगा। यह पिछले त्योहारी सीजन के 4.25 लाख करोड़ से 11.76 फीसदी ज्यादा है। इसमें प्रमुख रूप से स्वदेशी उत्पादों का योगदान होगा। खंडेलवाल ने बताया, आयकर, ब्याज दर और जीएसटी में मिली राहत ने लोगों में त्योहारी खरीदारी का उत्साह बढ़ा दिया है। नवरात्र और करवा चौथ के बिक्री के शानदार आंकड़े इसकी तस्वीर बयां कर रहे हैं। धनतेरस और दिवाली अभी बाकी है। कैट के मुताबिक, दिवाली तक चलने वाली त्योहारी बिक्री में चार साल से बढ़ोतरी देखी जा रही है।

पीएम मोदी के आह्वान से चीनी उत्पाद बाजार से गायब: कैट का दावा है कि चीनी उत्पादों के बहिष्कार की प्रवृत्ति साल-दर-साल मजबूत होती जा रही है। गलवां मामले के बाद से व्यापारी और उपभोक्ता दोनों चीनी उत्पादों की खरीद-बिक्री से बच रहे थे। इस दिवाली बाजारों से चीनी उत्पाद लगभग गायब हैं। इस त्योहारी सीजन के दौरान एफएमसीजी से लेकर कपड़ा, किराना और वाहन समेत हर क्षेत्र में बंपर बिक्री की उम्मीद है। खरीदार जिन स्वदेशी वस्तुओं के प्रति इस बार खासा उत्साह दिखा रहे हैं, उनमें मिट्टी के दीये, मूर्तियां, वॉल हैंगिंग, हैंडीक्राफ्ट, पूजन की सामग्री, एफएमसीजी उत्पाद, घर के सजावटी सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कपड़ा शामिल हैं।

30 साल की उम्र का सबसे मजबूत फाइनेंशियल फॉर्मूला है सिप, हिप और टिप

नई दिल्ली एजेंसी। फाइनेंशियल प्लानिंग में अक्सर एसआईपी, हिप और टीआईपी का फार्मूला कोट किया जाता है। यहां एसआईपी का मतलब सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है। एचआईपी का मतलब हेल्थ इंश्योरेंशन प्लान है और टीआईपी का मतलब टर्म इंश्योरेंस प्लान है। जिंदगी के बड़े लक्ष्य होते हैं। सबसे पहले तो एक शानदार मकान, शादी, बच्चे। फिर बच्चों की पढ़ाई, रिटायरमेंट। इन सब प्लानिंग का फाउंडेशन आपकी पहली नौकरी या कमाई की शुरुआत से ही पड़ता है। यदि आपने 30 की उम्र में मजबूत निवेश की नींव बनाई है तो वह आपको लंबी अवधि में वृद्धि, सुरक्षा और मानसिक शांति देती है। इसके लिए आपको शुरू से ही प्रयास करना होगा। हम मान कर चल रहे हैं कि आप सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान या सिप से परिचित हैं। यह आपके पैसे को लंबे समय में तेजी से बढ़ाता है। इसमें हर महीने तय राशि का निवेश करके आप रुपया-लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभ उठाते हैं। एसआईपी का इतिहास बताता है कि लंबी अवधि तक भारतीय इक्विटी में बने रहने पर औसतन दो अंकों की सालाना वृद्धि देखने को मिली है। समय बढ़ने के साथ जोखिम कम होता है। एसआईपी शुरू हो जाए तो आप स्टेप-अप एसआईपी को भी चुन सकते हैं। इसमें हर साल 5ङ्क10 फीसदी राशि बढ़ाने से साधारण एसआईपी के मुकाबले बहुत बड़ा फंड तैयार होता है। आप जो आय अर्जित करते हैं, उसकी सुरक्षा के लिए टर्म इंश्योरेंस प्लान लेना बहुत जरूरी है। 30 साल की उम्र में इसे लेने का सुझाव इसलिए दिया जाता है।

पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान अगले महीने से होगा शुरू

30 नवंबर तक चलेगा अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्र सरकार 1 से 30 नवंबर तक पेंशनभोगियों के लिए देशव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान चलाएगी। इसमें देशभर के 2,000 जिलों और उपमंडल मुख्यालयों को शामिल किया जाएगा। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) का यह चौथा अभियान होगा। पेंशनभोगियों को पेंशन जारी रखने के लिए हर साल नवंबर महीने में जीवन प्रमाणपत्र जमा करना होता है।

यह अभियान 19 पेंशन वितरण बैंकों, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी), पेंशनभोगी कल्याण संघों (पीडब्ल्यूए), रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए), दूरसंचार विभाग (डीओटी), रेलवे, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सहयोग से चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य देश के दूरदराज के हिस्सों में प्रत्येक पेंशनभोगी तक पहुंच सुनिश्चित करना है।

कार्मिक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस वर्ष भी इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक अपने 1.8 लाख डाकियों और ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) के विशाल नेटवर्क के जरिये सभी जिलों में डीएलसी शिविरों का आयोजन करेगा। इससे सभी श्रेणी के पेंशनभोगियों को उनके बैंक की परवाह किए बिना उनके घर तक डीएलसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

300 शहरों में कई स्थानों पर लगेंगे शिविर

बयान में कहा गया कि 19 पेंशन वितरण बैंक 300 शहरों में कई स्थानों पर शिविर लगाएंगे। इनमें वृद्ध, दिव्यांग या बीमार पेंशनभोगियों के घरों और अस्पतालों का दौरा भी शामिल है। 57 पंजीकृत पेंशनभोगी कल्याण संघ बैंकों और आईपीपीबी के समन्वय से पेंशनभोगियों को संगठित करने और शिविर आयोजित करने में सहायता करेंगे। बैंक और आईपीपीबी संयुक्त रूप से एसएमएस, व्हाट्सएप, सोशल मीडिया, बैनर और स्थानीय मीडिया कवरेज के जरिये पेंशनभोगियों को डीएलसी जमा करने के विकल्पों के बारे में बताने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान शुरू करेंगे।

टाटा मोटर्स के बिजनेस का हो रहा 2 हिस्सों में बंटवारा

मुंबई, एजेंसी।
टाटा मोटर्स के निवेशकों के लिए आज बड़ा दिन है। कंपनी का बिजनेस दो हिस्सों में बंट रहा है। इस बंटवारे के लिए जो रिकॉर्ड डेट तय की गई थी वो आज आज ही है। टाटा मोटर्स ने इसी महीने की शुरुआत में 14 अक्टूबर की तारीख को डिमर्जर के लिए रिकॉर्ड डेट तय किया था। इस बंटवारे से निवेशकों का क्या फायदा आइए समझते हैं।टाटा मोटर्स के डिमर्जर के बाद कंपनी के पैसेंजर व्हीकल्स यूनिट का नाम टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड हो जाएगा। वहीं, कॉमर्शियल यूनिट का नाम टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स हो जाएगा। यानी दोनों कंपनियों का अलग-अलग कारोबार बार होगा। दोनों

शेयर बाजार में अलग-अलग ट्रेड करेंगी। डिमर्जर के बाद दो नई कंपनियां अस्तिव में आ गई हैं। ऐसे निवेशक जिनके पास टाटा मोटर्स का एक शेयर आज यानी 14 अक्टूबर को होगा उन्हें दोनों कंपनियों में एक-एक शेयर मिलेंगे। इसकी जानकारी टाटा मोटर्स की तरफ से पहले ही दे दी गई थी। टाटा मोटर्स ने बताया था कि योग्य निवशकों को एक शेयर पर एक शेयर दिया जाएगा। पिछले साल अगस्त में टाटा मोटर्स के बोर्ड ने इस डिमर्जर पर मुहर लगाई थी। तब बोर्ड ने कॉमर्शियल और पैसेंजर व्हीकल्स को दो अलग-अलग लिस्टेड यूनिट में बांटने का फैसला किया था। टाटा मोटर्स का कहना है कि इससे दोनों बिजनेस पर ज्यादा फोकस किया जा सकेगा। जिससे भविष्य में तेजी के साथ ग्रोथ हासिल करने में आसानी रहे। 13 अक्टूबर को टाटा मोटर्स के शेयरों का भाव 2 प्रतिशत से अधिक टूट गया था। सोमवार को कंपनी के शेयर 664 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। यह लगातार 7वां

चांदी की चमक से चकाचौंध बाजार, सिर्फ10 माह में दोगुनी छलांग

89300 रुपये बढ़ी कीमत, निवेशकों को 99 प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव नए सिरे से बढ़ने के कारण सोमवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोने एवं चांदी की कीमतें फिर नए शिखर पर पहुंच गई।जनवरी से अब तक यानी सिर्फ 10 महीने में चांदी की कीमतें 89,300 रुपये बढ़कर 1,79,000 रुपये प्रति किलोग्राम के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। 31 दिसंबर, 2024 को यह 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बंद हुई थी। यानी चांदी ने इस साल अब तक 99.55 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी प्रकार, सोना

भी 10 महीने में 49,000 रुपये महंगा होकर 1.28 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।यानी जनवरी से अब तक सोने ने अपने निवेशकों को 62.06 फीसदी रिटर्न दिया है।31 दिसंबर, 2024 को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था।

एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषण (जिंस-मुद्रा) के उपाध्यक्ष जतिन त्रिवेदी ने कहा, अमेरिका-चीन के बीच नए व्यापारिक तनाव के कारण सुरक्षित निवेश की मांग में तेजी आने से सराफा कीमतें बढ़ी हैं।त्योहारी मांग और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी का असर भी कीमतों पर

बाजार में भी भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर

वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाईपर पहुंच गई।सोना दो फीसदी बढ़त के साथ 4,084.99 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया।चांदी भी तीन फीसदी के उछाल के साथ51.74 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक कोलिन शाह का कहना है कि सोने की रिकॉर्ड कीमतों के बाद भी त्योहारी सीजन में र प्रतिशत-आभूषण की मांग मजबूत बनी रहेगी।हालांकि, बाजार में हल्के आभूषणों की मांग ज्यादा दिखाई दे रही है।उन्होंने कहा, पूछताछ के आधार पर 9 कैरेट से 18 कैरेट तक के आभूषणों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल सकती है।

करीब 5 लाख की आबादी

काबो वर्डे ने फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। काबो वर्डे ने पहली बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उसने एस्वातिनी को 3-0 से शिकस्त देकर ग्लोबल फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। करीब 5 लाख आबादी वाला काबो वर्डे, विश्व कप में पहुंचने वाला आबादी के लिहाज से दूसरा सबसे छोटा देश बन गया है। इस सूची में आइसलैंड शीर्ष पर है, जिसने साल 2018 फीफा विश्व कप में हिस्सा लिया था। पहले हाफ में एस्वातिनी के खिलाफ कड़ी टक्कर के

बाद, काबो वर्डे ने दूसरे हाफ में शानदार खेल दिखाया। डैलोन लिव्रामेंटो, विली सेमेडो और स्टोपिरा के गोल ने एस्तादियो नासियोनल दे काबो वर्डे में फैंस को जश्न का मौका दिया। काबो वर्डे ने अंतिम समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाई किया। पहले हाफ में तेज हवा के चलते कठिनाई झेलने के बाद, ब्लू शार्क्स ने 48वें मिनट पहली सफलता हासिल की। यानिक सेमेडो के क्रॉस पर डैलोन लिव्रामेंटो ने गोल दागा। टीम ने लगातार आक्रमण जारी रखा। इस बीच जमिरो मोंतेइरो का दूर से शॉट क्रॉसबार से टकराया। 54वें मिनट विली सेमेडो ने रयान मेंडेस के क्रॉस पर पांच यार्ड की दूरी से गोल करके टीम को 2-0 से बढ़त दिलाई।

जलालपुर की बेटी एलिश बनी स्वर्णपरी, भुवनेश्वर में शॉटपुट में सात साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

मेरठ, एजेंसी। भुवनेश्वर में आयोजित 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जलालपुर की एलिश ने 13.80 मीटर शॉटपुट फेंककर 2018 का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। परिवार और गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। मेरठ के लावड़ थानाक्षेत्र स्थित गांव जलालपुर की बेटी एलिश ने शॉटपुट में ऐसा धमाका किया कि भुवनेश्वर का कलिंगा स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में एलिश ने 13.80

मीटर शॉटपुट फेंककर पंजाब की अलका सिंह का 2018 में बनाया गया 13.10 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस उपलब्धि के साथ एलिश ने स्वर्ण पदक जीतकर मेरठ जिले और अपने गांव जलालपुर का नाम रोशन किया। एलिश अंडर-16 कैटेगरी में खेल रही थीं। उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता में निर्णायकों और दर्शकों को प्रभावित किया। परिवार और ग्रामीणों में उसकी इस सफलता से खुशी की लहर दौड़ गई। एलिश के दादा दिमाग सिंह, जो प्रधान राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के प्रबंधक हैं, उन्होंने बताया कि पोती ने पंचकुला में अभ्यास किया और मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

दिल्ली टेस्ट में 7 विकेट से जीत

- टीम इंडिया ने किया सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से मात देकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। भारत को जीत दिलाने में शतकवीर यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल के साथ मुकाबले में कुल 8 विकेट हासिल करने वाले कुलदीप यादव का अहम योगदान रहा। मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 175 रन बनाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 129 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से जोमेल वारिकन को 3 सफलताएं हाथ लगीं। इसके जवाब में वेस्टइंडीज पहली पारी में महज 248 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए एलिक एथनाज ने सर्वाधिक 41 रन बनाए, जबकि शाई होप ने 36 रन टीम के खाते में जोड़े। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने सर्वाधिक 5 सफलताएं हासिल कीं। रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट निकाले।

इसी के साथ भारत ने पहली पारी के आधार पर 270 रन की विशाल बढ़त हासिल करते हुए मेहमान टीम को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया। दूसरी पारी में खराब शुरुआत के बाद वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल (115) और शाई होप (103) ने संभाला। इनके अलावा, जस्टिन इमलाच ने नाबाद 50 रन बनाकर टीम को 390 रन तक पहुंचाया।

इस पारी में भारत की तरफ से कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 सफलताएं हासिल कीं। मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट निकाले।

भारत को जीत के लिए 121 रन का आसान टारगेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने महज 9 रन पर यशस्वी जायसवाल (8) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़ते हुए टीम को जीत के करीब ला दिया, लेकिन साई सुदर्शन (39) के आउट होने के बाद शुभमन गिल (13) के रूप में टीम ने जल्द दो अन्य विकेट गिरा दिए। यहां से केएल राहुल ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। राहुल 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 58 रन बनाकर नाबाद रहे। इस पारी में वेस्टइंडीज के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि जोमेल वारिकन ने 1 विकेट निकाला। भारत ने अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले मैच को पारी और 140 रन से अपने नाम किया था।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सहरावत ने गलती स्वीकारी

डब्ल्यूएफआई से निलंबन हटाने का अनुरोध किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सहरावत ने स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले महीने वजन कम न कर पाने की गलती की थी। इस पहलवान ने कहा कि वह डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करेंगे और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे।
पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से अनुरोध किया है कि उन पर लगा एक साल का प्रतिबंध हटाने पर पुनर्विचार किया जाए। सहरावत को जगरेब में विश्व चैंपियनशिप में मुकाबले से पहले वजन कम करने में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया है। शुरुआती मुकाबले से पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से 1.7 किलोग्राम अधिक था।
डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष से करेंगे आग्रह- भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सहरावत ने स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले महीने वजन कम न कर पाने की गलती की थी।

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट

ध्रुव जुरेल ने रचा इतिहास

- ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने इतिहास रच दिया है। वह पहले भारतीय क्रिकेटर बने हैं जिन्होंने अपने करियर के पहले 7 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 2013 में अपने पहले 6 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की थी। जुरेल ने भारत के लिए अपना टेस्ट डेब्यू 15 फरवरी 2024 को राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ किया था, जिसमें रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने रिकॉर्ड 434 रनों से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने रांची और धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ क्रमशः 5 विकेट और एक इनिंग और 64 रनों से जीत दर्ज की।

ध्रुव जुरेल के पहले 7 टेस्ट और नतीजे

● बनाम इंग्लैंड, 434 रनों से जीत, राजकोट, 15-18 फरवरी, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, 5 विकेट से जीत, रांची, 23-26 फरवरी, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, एक इनिंग और 64 रनों से जीत, धर्मशाला, 7-9 मार्च, 2024 ● बनाम ऑस्ट्रेलिया, 295 रनों से जीत, पर्थ, 22-25 नवम्बर, 2024 ● बनाम इंग्लैंड, 6 रनों से जीत, द ओवल, 31 जुलाई-4 अगस्त, 2025 ● बनाम वेस्ट इंडीज, एक इनिंग और 140 रनों से जीत,अहमदाबाद 2-4 अक्टूबर, 2025 ● बनाम वेस्ट इंडीज, 7 विकेट से जीत दिल्ली,10-14 अक्टूबर, 2025

जुरेल अब अगले मैचों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की अ श्रृंखला में टीम इंडिया के लिए खेलते नजर आएंगे। 24 वर्षीय खिलाड़ी को शुभमन गिल की कप्तानी में ओडीआई टीम में बैकअप विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में चुना गया है।

खिलाड़ियों को मैनेज और टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात : शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। गिल को इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट की कप्तानी सौंपी गई थी, जहां टीम इंडिया ने 2-2 से सीरीज ड्रॉ करवाई। इसके बाद गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया है। गिल ने कप्तानी को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना, इस टीम का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान है। यह किसी भी परिस्थिति में सही विकल्प चुनने के बारे में है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित निर्णय लेने की कोशिश करता हूं जिसमें हम उस खेल में होते हैं। कभी-कभी आपको एक साहसिक निर्णय लेना पड़ता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है। गिल ने

वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन लागू करने पर कहा, हम लगभग 300 रन (270 रन) आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश रेड्डी को सीरीज में भरपूर मौके दिए जाने पर कप्तान गिल ने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी सिर्फ विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी मदद कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। इस सीरीज में गिल ने 50, 129* और 13 रन की पारी खेली। गिल ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं, वो है अपनी टीम को मैच कैसे जिताएं। जब मैं बतौर बल्लेबाज मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में बस यही ख्याल आता है।

मुझे बनाओ निशाना, हर्षित राणा के सपोर्ट में उतरे गौतम गंभीर

श्रीकांत पर किया पलटवार, बोले-यूट्यूब के लिए...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज हर्षित राणा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में चुने जाने पर सवाल उठाने वाले पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत पर मंगलवार को कड़ा पलटवार किया. गंभीर ने कहा कि एक 23 वर्षीय युवा खिलाड़ी को निशाना बनाना बेहद शर्मनाक है. श्रीकांत ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल पर दावा किया था कि राणा केवल इसलिए राष्ट्रीय टीम में हैं क्योंकि वह गंभीर के जी-हुजूरी करते हैं. श्रीकांत के इस बयान ने सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी थी. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट कहा, यह शर्मनाक है कि कोई अपना यूट्यूब चैनल चलाने के लिए 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बना रहा है. अगर आप मुझे निशाना बनाना चाहते हैं, तो कीजिए. मैं इससे निपट सकता हूं. लेकिन यूट्यूब व्यूज के लिए एक युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना शर्मनाक है.

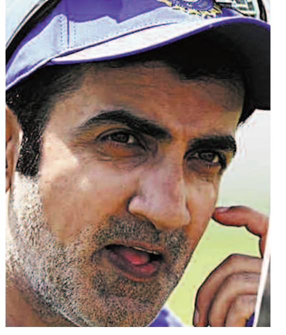

गंभीर की दो टूक- हर्षित अपने दम पर टीम में - गंभीर ने आगे जोर देकर कहा कि हर्षित राणा ने अपनी मेहनत और प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रभाव के कारण. उन्होंने कहा, उनके (राणा के) पिता चयनकर्ता नहीं हैं. इस तरह के आरोप युवाओं के मनोबल को तोड़ते हैं. इन युवा खिलाड़ियों को निशाना मत बनाइए. 23 साल के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने दिल्ली के क्रिकेटर के रूप में पिछले साल गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद 2 टेस्ट, 5 वनडे और 3 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं. उनकी लगातार मेहनत और टीम में योगदान को लेकर चयनकर्ताओं ने भरोसा जताया है.

इस बीच, भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से जीत दर्ज की और सीरीज में बढ़त बनाई. यह जीत भारतीय टीम के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली रही, खासकर युवा खिलाड़ियों के लिए.

सुल्तान ऑफ जोहर कप

भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच होगा मैच

- पीएचएफ ने खिलाड़ियों को दी यह सलाह

लाहौर, एजेंसी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच मंगलवार को सुल्तान जोहोर कप का मुकाबला होना है। दोनों टीमों के बीच यह मैच मलयेशिया के जोहर बाहरू में होगा। इससे पहले ही पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने अपनी टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है। दरअसल, पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच रिश्ते तल्ख चल रहे हैं और इसका असर मैदान पर भी देखने मिला है।

टकराव से बचने कहा - पीएचएफ ने अपने खिलाड़ियों से भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचने की सलाह दी है। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है। पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी।

रणजी 2025-26

ऋषभ पंत की वापसी और नए सितारे होंगे मुख्य आकर्षण का केंद्र

बेंगलुरु, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के 91वें संस्करण का आज बुधवार से होने जा रहा है, जिसमें ऋषभ पंत की संभावित वापसी और कई नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का उभरना मुख्य आकर्षण हैं। इस सीजन में अनुभवी खिलाड़ियों की प्रासंगिकता पर भी सवाल खड़े होंगे। भारत के टेस्ट कैलेंडर और घरेलू क्रिकेट में संतुलन बनाए रखने के इस मौके पर युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

पंत की वापसी का इंतजार- जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद पंत मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है, लेकिन अगर बीसीसीआई सेंटर

ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

नए युवा सितारे तैयार- इस सीजन में कई युवा खिलाड़ियों पर निगाहें हैं, जो अपनी शानदार शुरुआत को आगे बढ़ाने का अवसर तलाश रहे हैं। आर स्मरण (कर्नाटक), आंद्रे सिद्धार्थ (तमिलनाडु), यश ढुल और प्रियांश आर्य (दिल्ली), वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे (मुंबई) और दानिश मालेवार (विदर्भ) जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी में दम दिखा सकते हैं। गेंदबाजी में हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह नई चुनौतियों का सामना करेंगे।

तारा सुतारिया और वीर पहड़िया की दिखी सिजलिंग केमिस्ट्री

● खूबसूरत रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर कंफर्म किया रिश्ता!

तारा सुतारिया ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने कथित बॉयफ्रेंड वीर पहड़िया के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं।

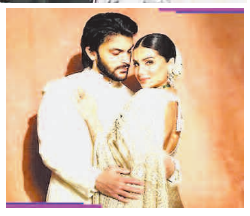

तारा और वीर की रोमांटिक तस्वीरों को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया को पब्लिक प्लेस पर अक्सर साथ देखा गया है। वहीं आज तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया ने अपनी कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर फैंस के दिलों को धड़का दिया है। इस जोड़ी की लाजवाब केमिस्ट्री और त्यौहार की चमक फैंस को बेहद पसंद आ रही है।

तारा का पोस्ट

तारा ने अपनी और वीर की रोमांटिक तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, कल रात मेरे पटाखे के साथ...हमारे सबसे प्रिय के लिए @manishmalhotra 05, मेरा हमेशा पसंदीदा होस्ट..।

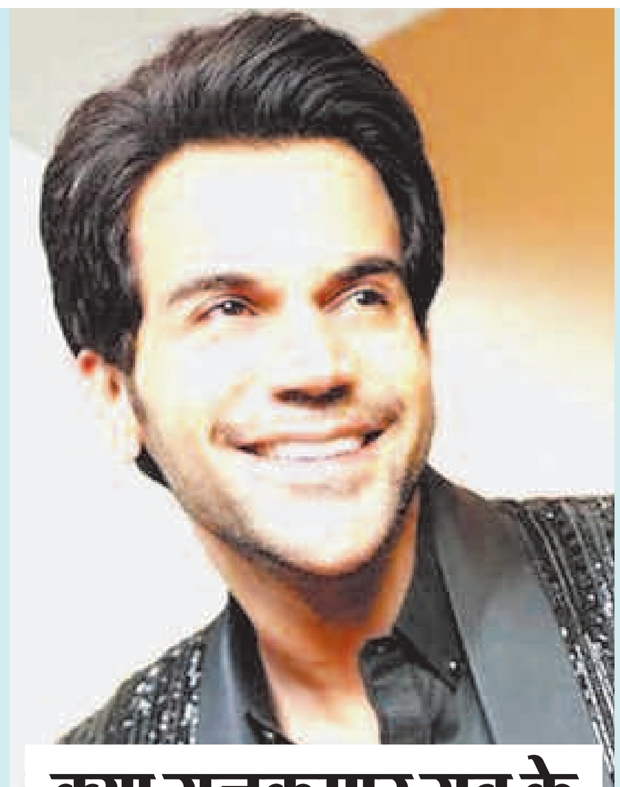

क्या राजकुमार राव के हाथ लगी एक और हॉरर कॉमेडी फिल्म?

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है।

लीड रोल को लेकर लग रहे कयास

इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, राजकुमार राव बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

कब रिलीज हुई थी बकासुरा रेस्टोरेंट

राजकुमार राव हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री और स्त्री 2 में अपने अभिनय का असर दर्शकों पर छोड़ चुके हैं। बकासुरा रेस्टोरेंट की बात करें तो यह फिल्म इसी साल अगस्त में रिलीज हुई।

एसजे शिवा द्वारा निर्देशित और लिखित यह एक तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इसमें प्रवीण, जय कृष्णा, विवेक दंडु, अमर लथु, राम पाटस और शाइनिंग फणी जैसे कलाकार हैं। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

जल्द पापा बनेंगे राजकुमार

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म मालिक में नजर आए। यह इस साल जुलाई में रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। एक्टर की निजी जिंदगी की बात करें तो वे और पत्नी पत्रलेखा जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। कपल अपने पहले बच्चे के स्वागत को लेकर उत्साहित है।

विद्या बालन ने बताया

आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी। इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म परिणीता मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि किस्सों की चादर एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया। आकर्षण के नियम को श्रेय देते हुए विद्या ने अंत में कहा, मुझे नहीं पता कि इसे आकर्षण का नियम कहा जा सकता है या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं, जैसे मैं जीवन में बहुत सी दूसरी चीजों के लिए हूं। प्रदीप सरकार की फिल्म परिणीता को कुछ समय पहले ही रिलीज हुए 20 साल पूरे हुए। इस मौके पर मूवी को फिर से री-रिलीज किया गया था। यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के प्रतिष्ठित बंगाली उपन्यास पर आधारित है। इस फिल्म में विद्या बालन और सैफ अली खान की जोड़ी नजर आई थी।

अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप लाएगी हुमा कुरैशी

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर आने वाली बहुचर्चित सीरीज 'महारानी' के चौथे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा कुछ समय पहले की थी। अब इसका ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बार कहानी बिहार की सीमाओं को पार कर सीधे दिल्ली की सियासत में दस्तक दे रही है। सीरीज की नायिका हुमा कुरैशी, यानी रानी भारती, अब बिहार की नहीं बल्कि देश की राजनीति को हिला देने की तैयारी में हैं। ट्रेलर में रानी कहती हैं- अगर आपने हमारे दुश्मन से हाथ मिलाया तो सिंहासन खींच लेंगे आपका।

कुब्रा सैत ने जीता दर्शकों का दिल-एक्ट्रेस ने साबित किया कि ईमानदारी, टैलेंट और 2025 की वर्सटिलिटी का परफेक्ट संगम हैं वो

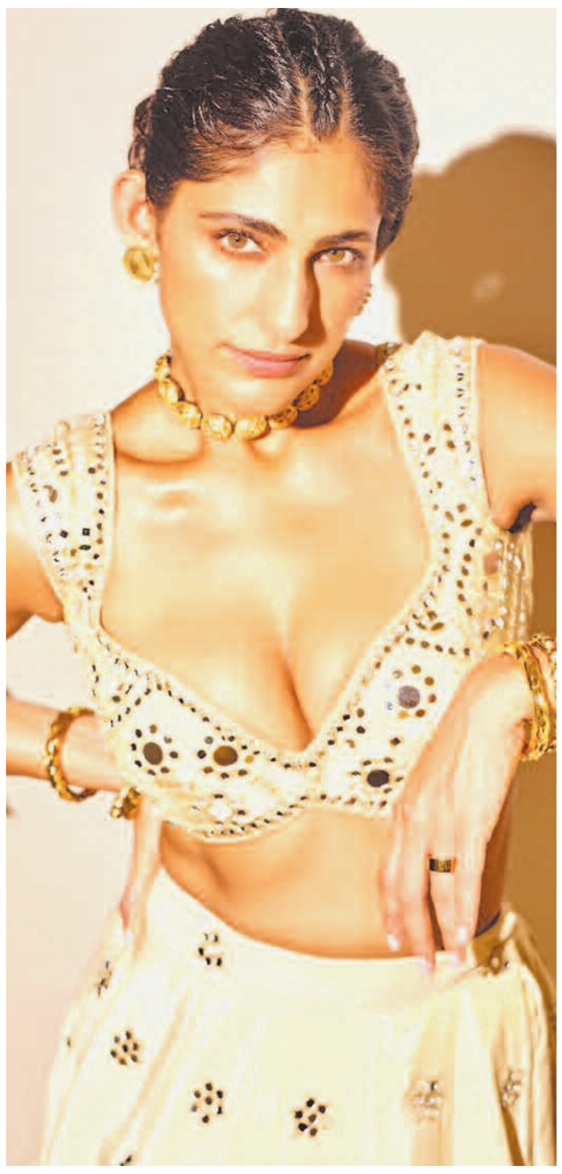

2025 वाकई कुब्रा सैत के लिए एक यादगार साल साबित हुआ है। शाहिद कपूर की देवा में अहम भूमिका निभाने के बाद, अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2* में अपने मस्तीभरे और एनर्जेटिक अंदाज़ से दर्शकों को एंटरटेन करने वाली कुब्रा ने इस साल रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल में भी शानदार डेब्यू किया। शो में उनकी एंट्री ने सबका ध्यान खींच लिया। उनकी ईमानदारी, चार्म और आत्मविश्वास ने उन्हें सीज़न की सबसे एंटरटेनिंग और निडर पर्सनैलिटीज़ में से एक बना दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने काजोल के साथ द ट्रायल- सीज़न 2 में स्क्रीन शेयर की, जिससे उन्होंने एक बार फिर ये साबित कर दिया कि वो ड्रामा, ह्यूमर और रियलिज़्म के बीच बखूबी संतुलन बना सकती हैं। वाकई, 2025 कुब्रा के करियर का सुनहरा साल रहा है। हाल ही में कुब्रा सैत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक क्वेश्चन एंड आंसर (त्त्क्ष्) सेशन रखा। सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा, आप इतनी अच्छी कॉमेडी और सीरियस रोल दोनों कैसे निभा लेती हैं?इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, कॉमेडी या सीरियस रोल अच्छा तभी बनता है जब स्क्रिप्ट अच्छी हो, तो एक और फैन ने पूछा, ट्रायल में आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा? वैसे, आप मेरी फेवरेट एक्टर हैं! कुब्रा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह थैंक यू! ये मेरा पहला दूसरा सीज़न था। बहुत मज़ा आया! एक अन्य फैन ने कुब्रा के मल्टी-फेसिटेड टैलेंट की तारीफ़ करते हुए लिखा, आप तो रॉकस्टार हैं! फिल्म्स, ह्ज्ञ्ज्ञ, होस्टिंग और अब रियलिटी शो – कैसे मैनेज करती हैं सब कुछ?! कुब्रा ने अपने सिग्नेचर स्टाइल में जवाब दिया, मैं एक वॉल्केनो ऑफ टैलेंट हूं। ?? द ट्रायल सीज़न 2 में कुब्रा सैत ने फिर से अपने मशहूर किरदार सना शेख की भूमिका निभाई। पहले सीज़न में इस किरदार को दर्शकों से खूब प्यार मिला था, और दूसरे सीज़न में उन्होंने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से शो में एक नई एनर्जी और डायनमिक्स जोड़ दी। वहीं दूसरी ओर, द ट्रायल सीज़न 2 के अलावा कुब्रा सैत जल्द ही वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ है जवानी तो इश्क होना है में नज़र आने वाली हैं।

कृष्णा श्रॉफ़ का बोल्ड और एलीगेंट अंदाज़ लैक्मे फ़ैशन वीक में दिखीं असली कूट्योर क्वीन की झलक

लैक्मे फ़ैशन वीक में कृष्णा श्रॉफ़ ने अपने खास अंदाज़ और फ़ैशन-फ़ॉरवर्ड एलीगेंस के साथ सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। वे डिज़ाइनर जोड़ी शान्तनु और निकिल की बहुप्रतीक्षित पहली वुमेन्स कूट्योर लाइन 'ड्ढ्ढद्यशह्ड्ड' (वेलोरा) के लॉन्च पर नज़र आईं। फैशन-प्रेमी फ़िटनेस आइकॉन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा ने वेलोरा कलेक्शन की ही एक शानदार ड्रेस पहनी थी – एक झिलमिलाती मेटालिक गाउन, जो आधुनिक ड्रामा और टाइमलेस सोफिस्टिकेशन का खूबसूरत संगम थी। यह स्ट्रैपलेस गाउन काले पंखों जैसे टेक्सचर वाले बॉडिस से शुरू होकर नीचे की ओर मेटालिक, चैनमेल-जैसे कपड़े में लहरातीहुई दिखी। जो हर कदम के साथ रोशनी को अद्भुत ढंग से प्रतिबिंबित कर रही थी। ऊपरी हिस्से की कोमल, लगभग जैविक बनावट और निचले हिस्से की कवच-सी चमक के बीच का यह विरोधाभास एक शक्तिशाली और ग्लैमरस दृश्य प्रस्तुत कर रहा था – जैसे किसी आधुनिक योद्धा की झलक और बेहद आकर्षक दोनों था। कृष्णा का स्टाइलिंग सेंस इस लुक को और भी ऊँचाई पर ले गया। उनके बालों को हल्के, उभरे हुए वेव्स में सेट किया गया था, जो उनके चेहरे को खूबसूरती से फ्रेम कर रहे थे – इस पूरे लुक में पुरानी हॉलीवुड-ग्लैमर की झलक देते हुए। मेकअप बेहद सटीक था – न्यूड लिप्स, शार्प कॉन्टूरिंग और सॉफ्ट आई मेकअप, ताकि पोशाक केंद्र में रहे, फिर भी उनकी प्राकृतिक सुंदरता उभरकर दिखे। इस लुक को पूरा किया लॉन्ग डायमंड ईयररिंग्स और चंकी बैंगल-स्टाइल ब्रेसलेट ने, जो गाउन के आर्किटेक्चरल डिज़ाइन के साथ सामंजस्य बिठाते हुए सही मात्रा में चमक जोड़ रहे थे। कुल मिलाकर यह लुक पावरफुल, परिष्कृत, बोल्ड और एलिगेंट था – वही संतुलन जो कृष्णा श्रॉफ़ के व्यक्तिगत स्टाइल को परिभाषित करता है। कूट्योर लाइन के इस लॉन्च पर कृष्णा की मौजूदगी वास्तव में 'ड्ढ्ढद्यशह्ड्ड' कलेक्शन की आत्मा का प्रतीक थी। यह कलेक्शन उन महिलाओं के लिए है जो आत्मविश्वासी, निडर और प्रभावशाली हैं – और कृष्णा श्रॉफ़ इस विज़न की सटीक प्रतिनिधि साबित हुईं। इतने जटिल, बनावट-भरे परिधान को सहजता से, और अपने विशिष्ट उग्र भाव को बनाए रखते हुए, धारण करने की उनकी क्षमता ने साबित कर दिया कि वे एक फैशन शक्ति क्यों बन रही हैं।

ग्लैमर से पहले आस्था

कृति शेट्टी का तिरुपति में आध्यात्मिक पड़ाव, बालाजी के किए दर्शन

कृति शेट्टी को हाल ही में तिरुपति बालाजी मंदिर में दर्शन करते हुए देखा गया, जहाँ उन्होंने शांति और भक्ति से परिपूर्ण माहौल में पूजा-अर्चना की। जिसने प्रशंसकों का ध्यान खींचा। पारंपरिक पोशाक में और सादगी भरे अंदाज़ में नज़र आईं कृति ने अपने व्यस्त ग्लैमर जीवन से थोड़ा समय निकालकर दक्षिण भारत के सबसे पूजनीय मंदिरों में से एक में आशीर्वाद प्राप्त किया। अपनी बढ़ती प्रसिद्धि के बावजूद ज़मीन से जुड़ी रहने वाली बॉलीवुड की अगली सुपर स्टार का यह शांतिपूर्ण मंदिर-दर्शन यात्रा ने सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों के दिलों को छू गया। अभिनेत्री की इस यात्रा की तस्वीरें जल्द ही सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गईं, जहाँ कई लोगों ने उनकी सादगी और श्रद्धा की सराहना की। तिरुपति लंबे समय से अनेक कलाकारों के लिए एक पवित्र पड़ाव रहा है – विशेषकर तब, जब वे किसी बड़े व्यक्तिगत या पेशेवर मोड़ की ओर बढ़ते हैं। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, कृति ने बिना किसी दिखावे के पूजा की और मंदिर में कुछ पल शांत वातावरण में बिताए, जिसके बाद वे अपने व्यस्त शेड्यूल की ओर लौट गईं। कार्य के मोर्चे पर, कृति शेट्टी भारतीय फ़िल्म जगत में अपनी मजबूत पहचान बनाती जा रही हैं। दिसंबर उनके लिए बेहद अहम साबित होने वाला है, क्योंकि इसी महीने उनकी तीन बड़ी फ़िल्में – वा वथियार, लव इंश्योरेंस कंपनी और जीनी – की रिलीज़ की तैयारी कर रही है, जो एक ही महीने में सिनेमाघरों में रिलीज़ होंगी। अपने करियर के इस निर्णायक पड़ाव पर कृति शेट्टी पूरी तरह अपनी आस्था और एकाग्रता में संतुलित नज़र आ रही हैं।

कैसी जिंदगी जीना चाहती हैं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने कथित रूमर्ड बॉयफ्रेंड राज निदिमोरु के साथ लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच सामांथा ने अपनी लाइफ को कैसे जीना चाहिए। इसको लेकर एक खास पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कई शानदार तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। इसके साथ ही सामंथा ने कैप्शन में अपने विचार, शब्द और काम उनके सबसे अच्छे व्यक्तित्व के बारे में बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि शांत पलों में उन्हें यह समझ आया कि वह इसे सिर्फ कहने की बजाय जीना चाहती हैं।

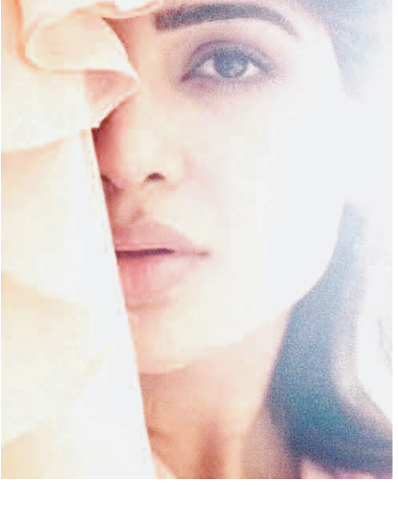

सामांथा के शेयर किए खूबसूरत पल

उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं, जिनमें वह पूजा करती, जिम में व्यायाम करती और अपने कुत्तों के साथ खेलती नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में वह नारंगी रंग का सूट पहने पूजा करती दिखीं। सामंथा के इस पोस्ट को उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सामांथा के फैंस उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल वाले और फायर इमोजी शेयर कर रहे हैं।

सामंथा का हालिया पोस्ट

पिछले हफ्ते सामंथा ने बताया कि एक उद्धरण ने उनकी सोच बदल दी। उन्होंने कहा, आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा जो आपको परेशान करती हैं। इससे उनकी जिंदगी आसान हुई और वह दूसरों को भी इसे आजमाने की सलाह देती हैं। सामंथा ने स्कूल से सीखी बातों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि सहानुभूति और दयालुता जैसे गुण उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये जीवन में बहुत काम आते हैं।